Website : jankhabar.com
RNI No.: DELHIN/2013/52747

जनख़बर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

कर्नल सोफिया और... 2
'तब मेरी उम्र 19 की थी ... 8

वर्ष : 12 | अंक : 30 | रविवार, नई दिल्ली, 11 मई से 17 मई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 8

संक्षिप्त खबरें

दूध कारोबारी से डकैती करने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। न्यू उस्मानपुर व भजनपुरा क्षेत्र में हुई डकैती के मामले को सुलझाते हुए भजनपुरा थाने की पुलिस टीम ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मनीष उर्फ तोतू, जुबैर, सादिक और साबिर उर्फ राजू है। पुलिस ने इनके पास से 1 चोरी की बाइक, 1 लोहे की रॉड, 2 टोपी और 1 हेलमेट बरामद किया है।

एलएचएमसी में बनेगा बच्चों का सबसे बड़ा अस्पताल

नई दिल्ली।। अब बाल चिकित्सा सुविधा के मामले में भी अव्वल बनने जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से संबद्ध कलावती सरन बाल अस्पताल में 1000 बेड क्षमता वाले ब्लॉक का निर्माण करने का फैसला किया है जो अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस होगा। इसे रिसर्च सेंटर के रूप में भी विकसित किया जाएगा।इस ब्लॉक में नवजात शिशु से लेकर सभी आयु वर्ग के बच्चों का इलाज नवीन तकनीकों से किया जाएगा। साथ ही बच्चों को दुर्लभ और गंभीर रोगों से निजात दिलाने के लिए शोध कार्य संपन्न किए जाएंगे।

पाकिस्तान के विरोध में व्यापारियों का मार्च

नई दिल्ली।। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (पंजी) के बैनर तले सैकड़ों व्यापारियों ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ तिरंगा मार्च निकाला। इस दौरान व्यापारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान को आतंकी मुल्क घोषित करने की मांग की है। कुतुब रोड चौक से 12 टूटी तक निकाले गए मार्च का नेतृत्व फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा और अध्यक्ष राकेश यादव ने किया।

युवक ने फांसी लगा कर दी जान

नई दिल्ली।। सब्जी मंडी इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक अवधेश है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें उसने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक जताया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस युवक के परिजनों और उसकी पत्नी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

अपने क्षेत्र की समस्या या खबर के लिए संपर्क करें

ब्यूरो चीफ 'जनखबर': **राकेश कुमार**
Mob.: 9560484749

पीएम आवास पर कॉम्बेट यूनिफार्म में तीनों सेना प्रमुख, फिर आया बयान- खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत और पाकिस्तान शनिवार को जारी जंग के सीजफायर पर राजी हो गए है. मगर, आज भारतीय वायु सेना के बयान ने फिर से हलचल बढ़ा दी है. सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है. ये बयान भी उस समय आया है, जब प्रधानमंत्री आवास पर भारतीय सेना के तीनों अंगों यानी थल, जल और वायु सेना के प्रमुख की बैठक हो रही थी. तीनों सेनाध्यक्ष रविवार को कॉम्बेट ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे. ऐसा लग रहा है कि इसमें सीजफायर के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अगले कदम पर फैसला लिया जा सकता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तीनों सेनाध्यक्षों और सीडीएस की बैठक हुई है. इसी दौरान भारतीय वायु सेना (IAF) के बयान ने हड़कंप मचा दिया.

भारतीय वायु सेना ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया, 'भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया.

ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया. चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी.'

अफवाहों से बचें : उन्होंने अटकलों और अफवाहों से बचने की अपील किया और लिखा, 'भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें.' बतातें चलें कि वायु सेना का बयान ठीक उस समय आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी, तीनों सेनाध्यक्ष, सीडीएस, एनएसए अजीत डोवाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं.

ट्रंप ने की घोषणा : बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर बड़ी घोषणा की थी. उन्होंने कहा था कि भारत-पाकिस्तान पिछले तीन दिनों से जारी संघर्ष पर तत्काल पूर्ण युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं. यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से पूरी हुई है.

सेना सख्त कदम उठाने को आजाद : हालांकि, युद्धविराम के उल्लंघन को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार देर रात कहा कि सेना को सख्त कदम उठाने के आदेश दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर शनिवार शाम हुए समझौते का पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों में 'उल्लंघन' किया है.

आतंकवाद के खिलाफ जंग जारी : विक्रम मिस्त्री ने मीडिया को बताया था कि भारतीय सेना पूरी दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई कर रही है और सीमा पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने में जुटी है. उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है. इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया. सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी.

भारत की तरक्की रोकना चाहता है चीन, युद्ध के लिए पाकिस्तान की कर रहा मदद... इन्वेस्टर ने बताए ड्रैगन के मंसूबे

एजेंसी

नई दिल्लीः भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रुक चुकी है। पिछले कुछ दिन दोनों देशों की सेना की ओर से काफी हमले हुए हैं। वहीं सोशल मीडिया पर एक एंजेल इन्वेस्टर ने इस युद्ध में पाकिस्तान की मदद के लिए चीन को घेरा है। इस शख्स का कहना है कि पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है, उसके पीछे चीन का हाथ है। उनका मानना है कि चीन ही पाकिस्तान को युद्ध के लिए पैसे और हथियार दे रहा है।इस एंजेल इन्वेस्टर का नाम उदित गोयनका है। गोयनका ने इस मामले को दुनिया की अर्थव्यवस्था से भी जोड़ा है। उन्होंने लिखा है कि अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। इससे चीन की फैक्ट्रियों को नुकसान हो रहा है और वे बंद हो रही हैं। ये फैक्ट्रियां अब भारत में आ रही हैं।

क्या चाहता है चीन : गोयनका ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि भारत पर हमला इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। भारत हर तरह से आगे बढ़ रहा है। हम दुनिया के सबसे बड़े ग्राहक हैं। अगर युद्ध होता है तो निवेशकों को डर लगेगा और वे भारत से चले जाएंगे। इससे भारत की तरक्की रुक जाएगी। गोयनका की ये बात ऐसे समय में आई है, जब चीन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन को धन्यवाद दिया। उन्होंने चीन को 'बहुत प्यारा, बहुत भरोसेमंद' दोस्त बताया। वहीं चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान से बात की। उन्होंने पाकिस्तान की संप्रभुता के लिए चीन के समर्थन की बात कही।

आपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं... भारत की सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक : राजनाथ सिंह

एजेंसी

भारत की सैन्य कार्रवाई अब सिर्फ सीमित जवाब नहीं, बल्कि पाकिस्तान के भीतर तक असर दिखा रही है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक अहम बयान देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ कर दिया है कि भारत अब आतंक के ठिकानों को सीमा पार भी नहीं बख्शेगा. उन्होंने कहा, 'इस ऑपरेशन की धमक रावलपिंडी और इस्लामाबाद तक सुनी गई है.' उन्होंने आगे कहा 'आपरेशन सिंदूर' सिर्फ़ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है.

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि यह सिर्फ आतंकियों के खिलाफ नहीं था, बल्कि उन ताकतों के खिलाफ था जो उन्हें पनाह देते हैं. उन्होंने कहा, 'जिन संगठनों ने भारत मां के माथे से सिंदूर मिटाया भारतीय सेना ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया

है.'

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने सिर्फ सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं रहकर पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर भी सटीक हमले किए. भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह टारगेटेड थी. इसमें आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखा गया.

पाकिस्तान ने मंदिर और गुरुद्वारों को भी नहीं छोड़ा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत कभी आम नागरिकों या धार्मिक स्थलों को निशाना नहीं बनाता. लेकिन पाकिस्तान ने नागरिक इलाकों के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों को भी हमला करने की कोशिश की.

रक्षा मंत्री ने कहा कि 'उरी हो, पुलवामा हो या अब पहलगाम भारत ने हर आतंकी हमले का जवाब ठोस और निर्णायक ढंग से दिया है.' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट नीति है कि भारत अब आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए सीमा के इस पार और उस पार दोनों ओर कार्रवाई करेगा.

लखनऊ में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल उत्पादन यूनिट के उद्घाटन कार्यक्रम में रक्षा मंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए. उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, और ब्रजेश पाठक समेत कई नेता मौजूद रहे.

ब्रह्मोस एक मिसाइल नहीं

राजनाथ सिंह ने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं कार्यक्रम में क्यों नहीं आ सका. मौजूदा हालात को देखते हुए मेरा दिल्ली में रहना जरूरी था.' रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट को भारत की ताकत का प्रतीक बताते हुए कहा, 'ब्रह्मोस सिर्फ एक हथियार नहीं बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की सैन्य शक्ति और हमारे विरोधियों के लिए स्पष्ट संदेश है भारत हर मोर्चे पर तैयार है.'

बेल मिली किसी और को, तिहाड़ से दूसरे कैदी को कर दिया रिहा

एस. एन. गुप्ता
(वरिष्ठ संवाददाता)

नई दिल्ली : तिहाड़ जेल प्रशासन और कोर्ट प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। गैंग रेप से जुड़े एक मामले में जिस आरोपी को कोर्ट से जमानत मिली थी उसकी जगह कोई दूसरा आरोपी रिहा कर दिया गया। अदालत को जब सचाई का पता चला तो कोर्ट ने गलत तरीके से रिहा हुए आरोपी को सरेंडर करने का आदेश दिया है, लेकिन आरोपी ने सरेंडर नहीं किया।

दूसरा मामला जेल नंबर 8 का है। सूत्रों ने यहां एक अंडरट्रायल को रिहा कर दिया, जबकि उसका बेल आर्डर कैंसल हो चुका था। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपनी गलती मानते हुए अदालत को पूरी जानकारी दे दी है।

लापरवाही का पहला मामला कड़कड़डूमा कोर्ट का है। गैंग रेप से जुड़े मामले में बंटी उर्फ दशरथ सिंह और रमेश कुमार को आरोपी बनाया गया था। दोनों आरोपियों ने पीड़ित महिला को न्यू अशोक नगर इलाके में स्थित एक गैस एजेंसी के कमरे में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोप है कि बंटी ने महिला को 2 मार्च 2025 को गैस सिलिंडर लेने के लिए बुलाया था। जब महिला वहां पहुंची तो बंटी ने उसे कमरे के अंदर बुलाया। वहां रमेश कुमार नामक आरोपी पहले से मौजूद था। जांच एजेंसी के अनुसार, रमेश ने महिला के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। बंटी ने महिला को रमेश के साथ कमरे में बंद कर बाहर से कुंडी लगा दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों ने महिला को मूंह खोलने पर उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी थी। महिला ने 10 मार्च को पीसीआर कॉल की थी। अगले ही दिन पुलिस ने दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया था।

क्या है मामला : आरोपी बंटी ने अपने वकील एसके जैन के माध्यम से जमानत अर्जी दाखिल की। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने अदालत को बताया कि यह पूरा मामला संदिग्ध है। महिला ने वारदात के सात दिन बाद पीसीआर कॉल की थी। इतना ही नहीं महिला ने अपना मेडिकल कराने से भी मना कर दिया था। लिहाजा उसके मुवक्किल को जमानत दे दी जाए। अभियान पक्ष ने जमानत अर्जी का विरोध किया था।

अदालत ने 6 मई 2025 को दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी बंटी उर्फ दशरथ सिंह को एक जमानती पेश करने और 30,000 रुपये के बेलबॉन्ड पर सशर्त जमानत दे दी थी। अगले दिन मंडोली जेल से बंटी उर्फ दशरथ की जगह रमेश कुमार को छोड़ दिया गया। आरोपी ने अदालत को जब इस बारे में बताया तो दोबारा से बंटी के बेल ऑर्डर तैयार कर जेल भेजा गया। वहीं अदालत ने गलत तरीके से छूटे रमेश कुमार को सरेंडर करने के लिए कहा है। गुरुवार को न तो रमेश ने सरेंडर किया और न ही बंटी की जेल से रिहाई हो पाई।

कश्मीर पर ट्रंप के बयान से विपक्षी दल खफा, US राष्ट्रपति ने कहा था- मसला सुलझाने की कोशिश करूंगा

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसला सुलझाने के लिए मध्यस्थता करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि कोई शख्स ट्रंप को बताए कि कश्मीर का मसला बाइबिल में वर्णित कोई 1000 साल पुराना मसला नहीं है, बल्कि यह 22 अक्टूबर, 1947 को शुरू हुआ था जब पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर पर हमला किया था।

वहीं राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के सांसद मनोज झा ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना की है। मनोज झा ने भारत सरकार से इस मामले पर कड़ा विरोध दर्ज कराने को कहा है। उन्होंने ANI से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को अपना 'जनरल नॉलेज'सुधारने की सलाह दी। मनोज झा का कहना है कि

ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के बारे में ठीक से पता नहीं है। मनोज झा ने कुछ सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'यह तय करने वाले आप (ट्रंप) कौन होते हैं? आपको किसने अधिकार दिया?' मनोज झा ने कहा कि पहले आपको अपनी जानकारी बढ़ानी चाहिए। पाकिस्तान 78 साल पहले बना था, और आप 1,000 साल की बात कर रहे हैं। हमें राजनीतिक खेल का हिस्सा न समझें। हमारी सरकार को इस पर कड़ा विरोध जताना चाहिए।

भारत सरकार के ऐलान से पहले अमेरिका ने सीजफायर की घोषणा की : मनोज झा ने US के राष्ट्रपति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत को जानकारी देने से पहले ही उन्होंने युद्धविराम की घोषणा कर दी। आरजेडी सांसद ने कहा, 'हम पीड़ित थे। हमने सावधानी से जवाब दिया और यह सुनिश्चित किया कि कोई भी आम नागरिक न मारा जाए। हमने 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, इससे पहले कि हम अपनी आधिकारिक जानकारी दे पाते, अमेरिकी राष्ट्रपति ने युद्धविराम की घोषणा कर दी, जो कि सही नहीं है, यहां तक कि शिमला समझौते के अनुसार भी। सरकार ने इस दावे का खंडन करने की कोशिश की और कहा कि ऐसा कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ है। लेकिन पूरी दुनिया के 'सरपंच' द्वारा यह प्रयास हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए उचित नहीं है।'

कांग्रेस ने संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की : कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एक सर्वदलीय बैठक और संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि ये 'संवेदनशील मामले' हैं। 'प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तत्काल एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। इन संवेदनशील मामलों पर संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए ताकि हम सवाल पूछ सकें और सच्चाई जान सकें। क्या हमें यह पता लगाने के लिए वाशिंगटन रेडियो पर ट्यून करने की आवश्यकता है?'

कपिल सिब्बल ने ट्रंप के ट्वीट पर सवाल उठाए : राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने ट्रंप के ट्वीट पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस पोस्ट के बाद 'कई सवाल' उठाए जाएंगे और इस मुद्दे के बारे में विपक्ष को कैसे 'गलत जानकारी' दी गई। उन्होंने केंद्र सरकार से पिछले कुछ दिनों में हुए घटनाक्रमों को लेकर एक सर्वदलीय बैठक और एक विशेष संसद सत्र बुलाने की अपील की। कपिल सिब्बल ने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह वर्तमान समय में होते, तो वे एक सर्वदलीय बैठक और एक विशेष संसद सत्र बुलाते। कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा, 'मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि वे तब तक बैठक में शामिल न हों, जब तक सरकार उन्हें आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे...मुझे विश्वास है कि अगर डॉ. मनमोहन सिंह आज प्रधानमंत्री होते, तो वे सर्वदलीय बैठक में मौजूद होते और एक विशेष सत्र भी बुलाया जाता।'

दिल्ली पुलिस ने स्मैक की तस्करी करने वाले दो अंतर्राज्यीय तस्कर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. स्पेशल स्टाफ की टीम ने दो ऐसे तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो सीमावर्ती इलाकों में दर्जी का काम करने की आड़ में स्मैक की सप्लाई कर रहे थे. पुलिस ने उनके कब्जे से 230 ग्राम हाई-क्वालिटी स्मैक बरामद की है.

पूर्वी दिल्ली के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान 24 वर्षीय साहिल और 22 वर्षीय नबी के तौर पर हुई है दोनों दोनों लंबे समय से गाजियाबाद के लोनी इलाके में रहकर दर्जी का काम कर रहे थे, लेकिन इसके पीछे उनका असली धंधा नशे की तस्करी था.

डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि इंस्पेक्टर जितेन्द्र मालिक की अगुवाई में गठित टीम ने आनंद विहार बस अड्डे के पास सर्विस रोड से दोनों आरोपी को गिरफ्तार किया है. प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे दर्जी का काम सिर्फ दिखावे के लिए करते थे. असल मकसद था, स्मैक को दिल्ली और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में पहुंचाना. पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है.

डीसीपी ने बताया कि दोनों आरोपियों का अब तक कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है. ताहिर 9वीं तक पढ़ा है, जबकि नबी आलम अनपढ़ है. फिलहाल पूछताछ जारी है और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ड्रग्स की सप्लाई कहां से हो रही थी और इसमें और कौन-कौन शामिल है.

सम्पादकीय

मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है पाकिस्तान, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की रफ्तार होगी और तेज

एस.एन. गुप्ता

अब यह पूरी तरह साफ है कि पाकिस्तान की बेजा हरकतों और आतंकवादियों को शह देने की प्रवृत्ति ने ही भारत के सामने आखिरी विकल्प के रूप में आतंकियों को ठोस जवाब देने की स्थिति पैदा कर दी। पहलगाम में आतंकी हमला धीरज रखने की अंतिम हद थी, जिसके बाद भारत ने वही किया, जो इसके लिए उचित था। अब सीमा पार आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान वैश्विक समुदाय के सामने जिस तरह अपनी व्यथा को पेश करने की कोशिश कर रहा है, उसमें आमतौर पर किसी देश ने कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके कारण भी साफ हैं। दरअसल, ज्यादातर देश जानते हैं कि दुनिया भर में आतंकवाद ने एक जटिल समस्या के रूप में जड़ पकड़ी और अलग-अलग देशों को बुरी तरह प्रभावित किया है, तो उसमें पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। आतंकियों को पलने-बढ़ने और प्रशिक्षण हासिल करने के आसान ठिकाने मुहैया करा कर पाकिस्तान ने क्या साबित करने की कोशिश की है? आखिर किन वजहों से कुछ आतंकवादी संगठनों को अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान एक सुरक्षित ठिकाना लगता रहा है?

आतंक का पोषण करने के मसले पर पाकिस्तान पर उठे सवाल : जाहिर है, बिना शह और संरक्षण के आतंकवादी किसी ऐसी जगह को अपने लिए सुरक्षित नहीं मान सकते। हालांकि संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी आतंक का पोषण करने के मसले पर पाकिस्तान पर सवाल उठे, तब उसने हर बार इस आरोप से अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की। मगर भारत ने दुनिया के तमाम प्रभावशाली देशों के सामने आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान के बारे में स्पष्ट तथ्य रखे।

यह बेवजह नहीं है कि पाकिस्तान अब भारत का जवाब झेलते हुए एक मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है तो दुनिया के देश यह समझ रहे हैं कि इस स्थिति के लिए खुद पाकिस्तान का रुख जिम्मेदार है। इसी कारण अपनी सीमा में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले को आधार बना कर वह वैश्विक समुदाय को अपना पक्ष बताने की कोशिश कर रहा है। मगर पिछले कई दशकों से आतंकवाद को जटिल बनाने में उसका जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए तमाम देश भारत के जवाबी हमले और उससे उपजी स्थिति के बारे में पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत साख वाला देश भारत : दूसरी ओर, भारत ने धीरज छूटने के बाद जिस तरह जवाब के तौर पर 'केंद्रित और नपी-तुली' कार्रवाई की, दुनिया के करीब सभी प्रभावशाली देशों ने उसका मजबूत आधार देखा और उसे उचित माना। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत साख वाला देश होने के नाते भारत ने अलग-अलग देशों के सामने स्थिति स्पष्ट करना अपनी जिम्मेदारी समझी। कूटनीतिक मोर्चे पर की गई भारत की इस पहलकदमी के सकारात्मक नतीजे सामने आए, जब भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिका, ईरान और सऊदी अरब के अपने समकक्षों से बात की और यह स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर देश पर सैन्य हमला होता है तो मजबूती से जवाब दिया जाएगा।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद से अब तक जो वस्तुस्थिति सामने रही है, वह दुनिया की नजर में है और इसी वजह से कई देशों ने भारत के रुख का समर्थन किया। जाहिर है, भारत की इस कवायद के बाद पाकिस्तान के अलग-थलग पड़ने की रफ्तार और तेज होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम अब वह इस हकीकत को समझने और स्वीकार करने को तैयार हो कि आतंक को शह और संरक्षण देकर उसने क्या गंवाया है।

सत्य की राह

राकेश कुमार
संवाददाता

'कुछ लिखना चाहते हो तो 'वो ही लिखो' जिसके नीचे आप अपने साइन कर सको, 'वो ही सोचो' जो बेझिझक सबके साथ साझा कर सको और 'वो ही बोलो' जिसका जवाब सुन सको तथा लोगों का सामना कर सको।'

अपने आप को इतना पारदर्शी बना लो कि फिर चाहे कोई स्क्रीन शॉर्ट ले या रिकॉर्ड करे, आपको कोई फ़र्क ही न पड़े।।।

कहते हैं कि जिस व्यक्ति का माथा ठंडा होता है, केवल वो ही लंबी ज़िंदगी जी सकता है।।।

ध्यान रहे कि स्वस्थ जीवन का लुत्फ़ उठाने के लिए अपना खून गर्म, दिल साफ़ रखो और उत्तम पुरुषार्थ करते रहो ।।।

'जिसको आप अपनी हर बात समझाना चाहते हो व जिसको आप बेहद प्यार करते हो, उस शख्स के साथ बैठना और अच्छा समय देना बहुत ज़रूरी है ना! तो आज से ही 'अपने साथ बैठिए', 'खुद से बात करिए' और 'मौन' से 'दोस्ती' करिए'॥

जो आपके हाथ में या पहुंच में है, उसे किसी दूसरे से मांग कर अपना आत्म सम्मान ना खोएं; बात चाहे धन की हो, प्यार की हो, या इज्ज़त की हो। ये सब खुद की मेहनत से कमाना अति सरल और संभव है। कहते हैं कि अच्छी भूमिका, अच्छे लक्ष्य और अच्छे विचारों वाले लोगों को हमेशा याद किया जाता है.. जीवनभर, मन से या शब्दों द्वारा प्रार्थना में भी !

कार्टून कोना

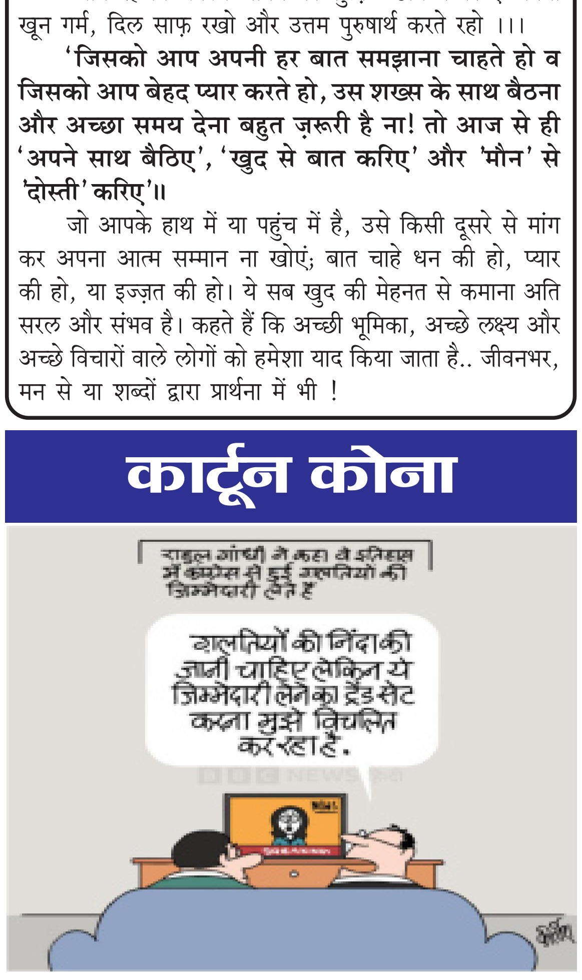

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने महिलाओं में जगाई उम्मीद की किरण

पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या करने के बदले में भारत की पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सफलता की जानकारी देने वाली भारतीय सुरक्षा बलों की दो महिला सैन्य अधिकारियों ने देश में महिलाओं के विपरीत हालात के बीच महिला सशिक्तकरण का सशक्त उदाहरण पेश किया है। देश भर में चर्चित लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया. कुरैशी और वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने साबित कर दिया कि महिलाएं अदम्य साहस के साथ किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। निश्चित तौर पर युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने जिस शानदार तरीके से स्ट्राइक का विवरण पेश किया, उससे न सिर्फ महिलाओं में उत्साह का संचार होगा बल्कि हर मुश्किल हालात से निपटने के लिए साहस का उद्गम होगा।

पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया. कुरैशी ने किया था। कुरैशी को बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का दुर्लभ गौरव हासिल हुआ। गुजरात निवासी सैन्य परिवार से आने वाली सोफिया. कुरैशी साल 1999 में 17 साल की उम्र में शॉर्ट सर्विस कमीशन के ज़रिए भारतीय सेना में आई थीं। उन्होंने छह साल तक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में भी काम किया। इसमें साल 2006 में कॉन्गो में एक उल्लेखनीय कार्यकाल शामिल है। उस वक्त उनकी प्रमुख भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान देने की थी। सोफिया कुरेशी के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की ब्रीफिंग देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह दूसरी चर्चित अधिकारी थीं। व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उनके नाम का मतलब ही आसमान से जोड? वाला है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट रही व्योमिका सिंह ने इंजीनियरिंग की। उन्हें साल 2019 में भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर परमानेंट कमीशन मिला। व्योमिका सिंह ने 2500 घंटों से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में मुश्किल हालात में चेतक और चीता जैसे हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं। उन्होंने कई बचाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक ऑपरेशन अरुणाचल प्रदेश में नवंबर 2020 हुआ था। इन दोनों महिला सैन्य अधिकारियों ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा पेश कि वह न सिर्फ देशवासियों के दिल-दिमाग में अमिट रहेगी बल्कि तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाओं में आगे बढ? की ललक कायम रखेगी। इनके जज्बे ने साबित कर दिया कि महिलाऐ देश में हर क्षेत्र में तरक्की का परचम लहरा रही हैं, चाहे वह क्षेत्र सैन्य जैसा चुनौतीपूर्ण और साहसिक क्षेत्र ही क्यों न हो। देश में महिला सशिक्तकरण की दिशा में इन दोनों महिलाओं का प्रदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। महिलाओं के सपने पूरा करने में मदद करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अग्रणी प्रदर्शन विकसित बनने की दिशा में अग्रसर भारत की नई तस्वीर पेश करता है।

सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलओं की सफलता की प्रेरणा के बावजूद देश की आम महिलाओं के लिए अभी भी मंजिल आसान नहीं हैं। भारत में पितृसत्तात्मक मानसिकता और लैंगिक असमानता के चलते महिलाओं को विरोधाभासी भूमिकाएँ निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। महिलाओं की ताकत को यह सुनिश्चित करने के लिए उभारा जाता है कि वे बेटियों, माताओं, पत्नियों और बहू के रूप में पालन-पोषण करने वाली अपनी पारंपरिक भूमिकाएँ प्रभावी ढंग से निभाएँ। दूसरी ओर, एक 'कमज़ोर और असहाय महिला' की रूढिवादिता को बढ़ावा दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने पुरुष समकक्ष पर पूरी तरह से निर्भर हैं।

भारत में लैंगिक असमानता महिलाओं की वर्तमान स्थिति प्रगति और चल रही चुनौतियों के जटिल अंतर्संबंध से जुड़ी है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई हैं। हालाँकि, गहराई से जड़ जमाए हुए सामाजिक मानदंड, आर्थिक असमानताएँ और राजनीतिक चुनौतियाँ यह दर्शाती हैं कि भारत में लैंगिक असमानता अभी भी मौजूद है। विडंबना यह है कि हमारे भारतीय समाज में जहाँ महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है, महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें समान अवसर से वंचित रखा जाता है।

भारत में लैंगिक असमानता अंतर रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, भारत में कुल लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएँ हैं। हालाँकि, जन्म के समय लिंग अनुपात 929 पर कम बना हुआ है, जो जन्म के समय लिंग चयन जारी रहने का संकेत देता है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मातृ मृत्यु दर रिपोर्ट (एमएमआर) के अनुसार, 2018-20 की अवधि के लिए भारत की एमएमआर 97 प्रति लाख जीवित जन्म है। एनएफएचएस-5 के अनुसार 15-49 वर्ष की आयु की 18.7 प्रतिशत महिलाएँ कम वजन की हैं। 15-49 वर्ष की आयु की 21.2 प्रतिशत महिलाएँ अविकसित हैं और 15-49 वर्ष की आयु की लगभग 53 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया से पीडित् हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की आयु से पहले विवाहित या विवाहित थीं। एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत की तुलना में महिलाओं की साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की लिंग आधारित हिंसा 'भारत में अपराध' 2021 की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। भारत में लिंगों के बीच वेतन अंतर दुनिया में सबसे ज़्यादा है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में महिलाओं को औसतन पुरुषों की तुलना में 21 प्रतिशत वेतन मिलता है। पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में कामकाजी आयु (15 वर्ष और उससे अधिक) की केवल 32.8 प्रतिशत महिलाएं ही श्रम बल में थीं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में महिलाओं का 81.8 प्रतिशत रोजगार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में केंद्रित है। यह दर्शाता है कि भारत में अधिकांश महिला श्रमिक उच्च वेतन वाली नौकरियों में नहीं आ पाती हैं।

एक रहेंगे तो नेक रहेंगे ! शक्ति,संयम और सूझबूझ ने दिलाई विजय

- प्रो. संजय द्विवदी
लेखक भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं

भारतीय सैन्य शक्ति, राजनीतिक नेतृत्व के शक्ति, संयम और सूझबूझ से बहुत कम समय में भारत ने वह हासिल कर लिया,जिस पर समूचा भारत मुस्करा रहा है। पहलगाम हमले से पैदा हुई बेबसी, आर्तनाद से मर्माहत हुए राष्ट्र ने जवाबी कार्रवाई से राहत की सांस ली है। अब जबकि युद्ध विराम हो चुका है तो संतोष करना चाहिए कि भारत युद्ध को आतुर देश नहीं है, बल्कि हम आतंकवाद के विरुद्ध अपनी जंग के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले कुछ दिनों में जैसे हालात बन गए थे, उससे साफ लग रहा कि अब भारत एक ऐसे देश के रूप में उभरा है,जो अपने लोगों का खून बहते नहीं देख सकता। भारतीय बलों की सटीक कार्रवाई ने आतंकवादियों के न सिर्फ ठिकाने उड़ा दिए बल्कि सौ के करीब आतंकियों को समाप्त कर दिया है। भारत का यह संकल्प बहुत प्रखर है और दूरगामी है, जिसमें यह कहा गया है कि भविष्य में होने वाली हर आतंकी गतिविधि को युद्ध माना जाएगा।

विश्व मंच पर आतंक के विरुद्ध भारतः भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है ,जिसने एक परमाणु शक्ति संपन्न देश पर कार्रवाई की है। आज भारत आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता से विश्व मंच पर आदर पा रहा है। दुनिया के तमाम देशों ने भारत का न सिर्फ साथ दिया, बल्कि पाकिस्तान को लताड़ भी लगाई।

पाकिस्तान की सेना और उसके राजनीतिक प्रतिष्ठान की बदनीयत दुनिया के सामने आ चुकी है। आर्थिक प्रतिबंध, आयात -निर्यात प्रतिबंध, सैन्य कार्रवाई, सिंधु जल समझौता तोड़कर, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निकालकर ,पांच एयरबेस नष्ट कर भारत की सरकार ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। पाकिस्तान के मंत्रियों, सांसदों की परमाणु धमकियों के बाद भी भारत ने संयम रखकर अपने लक्ष्य हासिल किए। इसके साथ ही इस क्षेत्र को युद्ध में झोंकने से भी बचाया। अंतिम समय तक निरंतर संवाद बनाए रखते हुए भारत की सरकार ने अपार सूझबूझ का परिचय दिया।

चार दिनों में घुटनों पर पाकिस्तानः पाकिस्तान ने सिर्फ चार दिनों में घुटनों पर आ गया बल्कि उसने बातचीत के तमाम चैनल खोले। आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय प्रतिबद्धता का प्रकटीकरण तो हुआ है लेकिन पाकिस्तान भरोसे के लायक नहीं है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व और फौज के बीच बहुत गहरी खाइयां हैं। सच तो यह है कि पाकिस्तान सत्ता तंत्र को यह भरोसा नहीं था कि भारत आपरेशन सिंदूर जैसा कदम उठाकर कार्रवाई करेगा।

युद्धोन्माद नहीं संयम : भारत की सरकार ने संवाद,संयम और प्रतिकार तीनों मोर्चे पर एक साथ काम किया। पाकिस्तानी नागरिकों के विरुद्ध नहीं, आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता का साफ इजहार किया। यह जीत इसलिए साधारण नहीं है। यह बड़ी कामयाबी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते रहे हैं कि 'यह युद्ध का समय नहीं है।' यह संयम भी भारत को दुनिया में सम्मान दिलाता है। भारत सरकार ने टीवी चैनलों को भी संयम बरतने की सलाहें दीं। सेना आज भी हाई अलर्ट पर है। पुंछ, राजौरी में काफी नुकसान हुआ, यह भी सामने है। पाकिस्तान को एक अवसर और राहत जरूर मिली है।

अपने बदहाल आर्थिक हालात से जूझ रहे पाकिस्तान को खुद को संभालना है। आतंकवाद की नर्सरी बन चुके देश को सबक सिखाना जरूरी है। एक अराजक पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। इसलिए भारत की इस चेतावनी को बहुत खास माना जाना चाहिए कि किसी भी उकसावे, आतंकी कार्रवाई को युद्ध ही माना जाएगा।

पाकिस्तान का बिखराव ही विकल्प : पाकिस्तान का होना सदैव का संकट है। इन टोटकों से वह सुधर जाएगा ऐसा मानना कठिन है। बावजूद इसके तात्कालिक तौर पर राहत जरूर है। किंतु अंततः पाकिस्तान का बिखराव ही संकट का समाधान है। पख्तून, बलूच, सिंध की चुनौती पाकिस्तान के सामने ही हैं। इसके दो लक्ष्य होने चाहिए एक तो उसे दुनिया से अलग-थलग करना और दूसरा उन्हें ऐसी चोट देना कि पाकिस्तान सेना दुबारा हिमाकत न कर सके। फिलहाल ऐसा होता नहीं दिखता। पाकिस्तान आज भी एक अविश्वसनीय पड़ोसी और आतंकी संगठनों को पालने वाला देश है। बना रहेगा।

हाल-फिलहाल तो पाकिस्तान की राजनीतिक शक्तियों ने बैकडोर कूटनीति से अमरीका और सऊदी अरब को आगे कर राहत तो प्राप्त कर ली है। भारत की सुरक्षा चुनौतियां आज भी बहुत कठिन हैं। थोड़ा और इंतजार कीजिए कि पाकिस्तान का रवैया क्या होता है। इतिहास को देखते हुए पाकिस्तान पर बहुत भरोसा करना ठीक नहीं। पाकिस्तान की सैन्य ताकत को ध्वस्त किए बिना शान्ति का सपना बहुत दूर की कौड़ी है।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था।

सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है।

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा-डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा।

निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है।

जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है।

यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं। नतीजतन, डॉक्टर कई बार मरीजों को ऐसी दवाएं लिखते हैं, जो न केवल महंगी होती हैं, बल्कि कई बार अनावश्यक भी होती हैं। इसका सीधा असर मरीजों की जेब और स्वास्थ्य पर पड़ता है।

सस्ती जेनेरिक दवाओं के प्रचलन को बाधिक करने की रणनीति एक वैश्विक समस्या है। भारत में जेनेरिक दवाओं की शुरूआत मोदी सरकार ने की। वैसे 2004 और 2013 के बीच अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली को इससे लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर की बचत हुई है। जेनेरिक कैंसर जैसी अनेक असाध्य बीमारियों की दवाओं की समय पर उपलब्धता ने ऐसे कई रोगियों की सामर्थ्य को बढ़ा दिया है। जबकि इसके विपरीत अनेक परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों की महंगी दवाओं एवं इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही।

लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों के लिये बड़ी समस्या बनती रही हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है।

कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है, जो गरीबों को सस्ती दवाओं से इलाज का रास्ता सुगम बना देगी। जिससे गरीबों के जीवन में एक स्वास्थ्य उजाला होगा।

विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि दवा-कम्पनियां तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं, मानो सारे नैतिक मूल्यों को ताक पर रखकर धनार्जन ही एकमात्र कर्म रह गया है। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन दवा माफिया के दबाव में समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। डॉक्टरों की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती, यह बात आम जनता में गहरे से बिठायी हुई है।

दवा कंपनियों की अनैतिक प्रथाएं केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं हैं, ये मरीजों के स्वास्थ्य और जान को भी खतरे में डालती हैं। महंगी दवाओं के प्रचार के कारण कई बार गरीब मरीज इलाज से वंचित रह जाते हैं। यदि जेनेरिक दवाओं को अनिवार्य किया जाए, तो न केवल दवाओं की कीमतें कम होंगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं भी अधिक समावेशी और सुलभ बनेंगी।

निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित करना होगा। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं, जिससे महंगी ब्रांडेड दवाइयां बनी होती हैं।

जनखबर

हेल्पलाइन उठाएं अपनी आवाज

सड़क टूटी है या पानी नहीं आता, आस-पास के पार्क बुरे हाल में हैं, डीटीसी रूट पर बसें नहीं आती... कभी बार-बार बिजली गुल हो जाती है, कभी बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं होता तथा सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार के कारण आप को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और आप अपनी परेशानियों की वजह से अपनी किस्मत को कोसते हैं। सहायता के लिए इधर उधर दौड़ते हैं, समाधान नहीं मिलता, आइए हम आपकी समस्याओं की आवाज जनखबर के माध्यम से अधिकारियों, मंत्रियों और संबंधित विभागों की नजर में लाने का प्रयास करेंगे और उनका समाधान भी ढूंढेंगे।

ई-मेल के सबजेक्ट में लिखें : jankhabarhelpline
और अपनी समस्या ई-मेल करें - jankhabarnews@gmail.com

युद्ध की आड़ में जमाखोरी की फिराक में थे कुछ लोग, दिल्ली में ये क्या चल रहा है?

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

दिल्ली के थोक बाजारों में सामान की कोई कमी नहीं है। व्यापारी बताते हैं कि राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और पंजाब से माल आ रहा है। गोदामों में पर्याप्त स्टॉक है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाहें फैला रहे हैं, उन पर ध्यान न दें। दाल, तेल, चावल सब कुछ सामान्य रूप से उपलब्ध है।

नई दिल्लीः दिल्ली के थोक बाजारों में माल की कोई कमी नहीं है। दिल्ली में राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और पंजाब से जैसे पहले माल आ रहा था, उसी तरह से अब भी आ रहे हैं। गोदामों में माल का स्टॉक इतना है कि परिस्थितियां विपरित होने पर भी कई दिनों तक काम चलाया जा सकता है। इसलिए लोगों को अभी से राशन व खाने-पीने की चीजों को स्टॉक करने की भी जरूरत नहीं है। यह कहना है दिल्ली के थोक बाजार के व्यापरियों का। व्यापारियों का कहना है कि कुछ लोग 54 साल पहले 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान जो हालात थे, उसी तरह के हालात पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, लोग उनकी बातों में न आएं।

पुरानी दिल्ली के भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री हेमंत गुप्ता के अनुसार दिल्ली में दलहन राजस्थान, गुजरात, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से आता है। पहले की तरह ही नियमित रूप से दलहन आ रहा है, इसमें कोई कमी नहीं है। इंदौर से सोयाबीन तेल आता है, जो पहले की तरह ही आ रहा है। रिफाइंड और पॉम आयल ज्यादातर गुजरात से आता है। इसमें भी कोई नहीं है। ज्यादातर सरसों तेल और कॉटन सीड रिफाइंड आयल हरियाणा से आता है, जो नियमित रूप से आ रहा है। चावल पंजाब से आता है, यह भी नियमित रूप से आ रहा है।

सभी थोक व्यापारियों के गोदाम में 10-15 दिनों का माल स्टॉक है। लेकिन, कुछ लोग भारत-पाक के बीच संभावित युद्ध की स्थितियों का फायदा उठाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक दिल्ली में ऐसी कोई स्थिति ही नहीं पैदा हुई है। इसलिए लोगों को डरने की जरूरत नहीं है, न ही राशन या खाने-पीने की चीजे खरीदकर स्टॉक करने की जरूरत है।

थोक दलहन कारोबारी प्रदीप जिंदल के अनुसार माल के इंपोर्ट में नियमित रूप से हो रहा है। ऐसे परिस्थितियों में माल के इंपोर्ट में कोई खास बदलाव नहीं है। सिर्फ, जो माल रात को आता था, अब वह सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे के बीच आ रहा है। भारत में हर महीने दलहन की खपत करीब 25 लाख टन होती है और खपत की मात्रा इतनी ही है। थोक बाजारों में पिछले कुछ समय से अरहर की दल 105-106 रुपये/ किलो ही बिक रही है। उड़द दाल 90 से 110 रुपये/ किलो है। शॉर्टेज बिल्कुल ही नहीं है। ऐसे में लोगों को डरने की कोई बात ही नहीं है। लेकिन, कुछ रिटेलर इसके लेकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। जिससे कुछ जगहों पर रिटेल शॉप में राशन के लिए भीड़ देखी गई है।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

पूर्वी दिल्ली।। सोनिया विहार थाना पुलिस टीम ने हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले एक आरोपी गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी हरी ओम है। पुलिस ने इसके पास से मंदिर से चोरी की गई गदा बरामद कर ली है।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार : उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय प्रकाश भट्ट की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद स्थानीय स्त्रोतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की और महज 24 घंटे के भीतर आरोपी हरी ओम पहला पुस्ता, सोनिया विहार से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और हनुमान से चोरी किया गया गदा भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

चोरी की बाइक पर स्नेचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। सदर बाजार थाना पुलिस टीम ने पिकेट के दौरान दो वाहन चोर-सह-स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में राहुल और जीतू है। पुलिस ने इनके पास से पुल प्रहलादपुर, इलाके से चोरी हुई एक बाइक बरामद की है।

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉंठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सहदेव सिंह तोमर की देखरेख में गठित टीम 5 मई को सदर बाजार सिंघारा चौक पिकेट पर तैनात थी। टीम ने देखा कि बिना हेलमेट के बाइक पर सवार दो व्यक्ति नबी करीम की तरफ से आ रहे थे। उन्हें चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने यू-टर्न ले लिया और वहां से भागने की कोशिश की। थोड़ी देर पीछा करने के बाद दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान, आरोपी राहुल और जीतू ने खुलासा किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपराध करते थे।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। वेलकम थाना पुलिस टीम ने गश्त के दौरान अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मुशीर है। पुलिस ने इसके पास से 1 देशी पिस्तौल और 2 कारतूस बरामद किये।

डीसीपी हरेश्वेर वी.स्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी रुपेश कुमार खत्री की देखरेख में गठित टीम 2 मई को गश्त पर थी इसी बीच चेकिंग में एक अवैध हथियार धारक अपराधी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1 देशी पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए। वही दूसरी एक अन्य मामले में देर रात टीम कर्दमपुरी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम ने थोड़ी दूरी पर शोर-शराबा होते देख तुरंत कार्रवाई की। मौके पर पहुंचने पर एक बाइक सवार झपटमार को जनता द्वारा पकड़ा गया था। शुरूआती पूछताछ पर शिकायतकर्ता मिहनास अहमद ने बताया कि वह टैक्सी चालक है और खाना खाने के लिए ढाबा ढूँढ रहा था तभी उक्त व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और मोटरसाइकिल से भागने लगा। शिकायतकर्ता द्वारा चोर-चोर चिल्लाने पर स्थानीय लोग और पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपी की पहचान शेजी के रूप में हुई है।

दिल्ली विधानसभा बनने जा रही है देश की पहली पूर्णतः सौर ऊर्जा संचालित विधानसभा

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

नई दिल्ली।। एक ऐतिहासिक पहल के तहत दिल्ली भारत के हरित शासन के अग्रदूत के रूप में उभर रही है। इसी कड़ी में दिल्ली विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला 12 मई 2025 (सोमवार) को प्रातः 11:00 बजे माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता के साथ मिलकर रखेंगे। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगी।

इससे पूर्व, माननीय अध्यक्ष ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के संचालन और कार्यान्वयन से जुड़े प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श हेतु एक बैठक आयोजित की, जिसमें दिल्ली विधानसभा की हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

इस समारोह में कई प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे, जिनमें माननीय उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट, लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह, और ऊर्जा मंत्री श्री आशीष सूद सम्मिलित हैं।

यह 500 किलोवाट की नई सौर परियोजना, जो कि केवल 45 दिनों में पूर्ण की जाएगी (निर्धारित 60 दिन की समयसीमा से पूर्व), दिल्ली विधानसभा की वर्तमान 200 किलोवाट रूफटॉप प्रणाली को प्रतिस्थापित करेगी। इस नवीन स्थापना से विधानसभा पूर्णतः सौर ऊर्जा पर संचालित होगी।

यह पहल न केवल पर्यावरण के प्रति दिल्ली विधानसभा की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि इसे लागू करने की तत्परता भी जाहिर करती है। इस परियोजना के तहत प्रति माह लगभग 15 लाख की बिजली बचत होगी, जिससे इस लोकतांत्रिक संस्था की कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी। यह अग्रणी कदम दिल्ली विधानसभा को भारत की पहली पूर्णतः सौर ऊर्जा संचालित विधानसभा के रूप में स्थापित करेगा, जो अन्य सरकारी संस्थाओं को भी हरित ऊर्जा अपनाने हेतु प्रेरित करेगा।

यह आधारशिला कार्यक्रम सिर्फ एक पर्यावरणीय उपलब्धि नहीं, बल्कि शासन और स्थायित्व को एक साथ जोड़ने की एक प्रभावशाली घोषणा है।

अवैध हथियार के साथ तस्कर गिरफ्तार

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

नई दिल्ली।। वेलकम थाना पुलिस टीम ने अवैध हथियार के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी दीपक उर्फ अमित उर्फ कालू है। पुलिस ने इनके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्टल और एक देसी कट्टा, बरामद किया है।

उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रूपेश कुमार खत्री की देखरेख में गठित टीम सुबह के समय जब गश्त करते हुए कुआं वाला मंदिर, झील पार्क गेट के सामने पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति एक बैग के साथ खड़ा दिखाई दिया जो की पुलिस की टीम को देखकर तेज कदमो से पास की एक गली घुसा और दौड? लगा, टीम मौका भांपकर तत्परता दिखाते हुए उसके पीछे दौड़ी और कुछ ही दूरी पर एक गली में उसको दबोच लिया।

हर्ष विहार में ई-रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से आठ साल की बच्ची की मौत

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में ई-रिक्शा पलट जाने से आठ साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और दो भाई घायल हो गए। बुधवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हर्ष विहार निवासी दिव्यांशी मंगलवार को ट्यूशन पढ़ने के बाद अपनी मां समीना (28) और अपने दो भाइयों के साथ ई-रिक्शा से घर जा रही थी।

उन्होंने कहा कि चालक ई-रिक्शा कथित तौर पर तेज गति से चला रहा था और समीना बार-बार उससे धीरे चलने का अनुरोध कर रही थी, इस दौरान तेज गति से रिक्शा चला रहे चालक ने नियंत्रण खो दिया।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ''समीना का आरोप है कि कई बार कहने के बावजूद चालक ने गति धीमी नहीं की और एक मोड़ पर ई-रिक्शा पलट गया, जिससे दिव्यांशी को गंभीर चोटें आईं।''

मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने में मदद की। पुलिस ने बताया कि दिव्यांशी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट लगी थी और अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य तीनों घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद फरार हुए चालक की तलाश की जा रही है।

प्रियदर्शनी विहार में मंदिर तोड़ने की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रियदर्शनी विहार स्थित अवैध रूप से बनाई गयी लक्ष्मी नारायण मंदिर को तोड़ने की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी है.डीडीए का दस्ता जेसीबी और हैमर से तोड़फोड़ की कार्रवाई में जुटा हुआ है. मंदिर के पिछले हिस्से से ये कार्रवाई की जा रही है. जेसीबी से दीवारों को गिराया जा रहा है. साथ ही हैमर से छत को तोड़ा जा रहा है. सुरक्षा के मद्देनज़र दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री बल की भारी तैनाती की गई.

कोर्ट के निर्देश पर मंदिर को तोड़ने की कार्रवाई : आपको बता दें कि कोर्ट के निर्देश पर गुरुवार को मंदिर को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई. गुरुवार को स्थानीय लोगों ने तोड़फोड़ का भारी विरोध किया. सैकड़ो की संख्या में महिलाएं मंदिर के गेट पर खड़ी होकर भजन कीर्तन कर तोड़फोड़ की कार्रवाई रोकने की कोशिश की. लेकिन डीडीए की टीम ने कानूनी आदेश का पालन करते हुए कार्रवाई शुरू की.

न्यायालय ने लगभग 10 साल पहले ही तोड़ने का दिया था आदेश : गुरुवार को मंदिर को पिछले हिस्से से तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई. मंदिर के पिछले हिस्से को जेसीबी से तोड़ दिया गया. इसके साथ ही छत को भी हैमर मशीन से तोड़ा गया. गौरतलब है कि न्यायालय ने लगभग 10 साल पहले इस मंदिर को अवैध निर्माण करार देते हुए तोड़ने के आदेश दिए थे लेकिन उस समय भारी विरोध के चलते कार्रवाई रोक दी गई थी और मंदिर को सील कर दिया गया था.

कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में रोष : अब एक बार फिर अदालत के आदेश पर मंदिर ध्वस्तीकरण के लिए कार्रवाई की जा रही है. इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है उनका कहना है कि मंदिर में वह लोग दशकों से पूजा करते आ रहें है. यह मंदिर सोसाइटी के अंदर है. इससे किसी को कोई नुकसान भी नहीं है. इसके बावजूद तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा रही है.

बड़ी धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

नई दिल्ली।। माताओं के सम्मान में समर्पित 'मदर्स डे' को शहरभर में बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न संगठनों ने इस खास दिन पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों और बड़ों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शहर के प्रमुख स्कूलों में बच्चों ने अपनी माताओं के लिए गीत, कविता, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं। कुछ विद्यालयों में माताओं के लिए विशेष प्रतियोगिताएं जैसे 'मॉम एंड मी', 'कुकिंग विद मॉम', और 'बेस्ट ड्रेस्ड मदर' का आयोजन हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ कई संस्थाओं ने गरीब और बेसहारा माताओं को सम्मानित कर इस दिन को और भी खास बना दिया। वहीं, सोशल मीडिया पर भी मदर्स डे की शुभकामनाओं का तांता लगा रहा।

बाजारों में भी इस अवसर पर रौनक देखने को मिली। गिफ्ट शॉप्स, बेकरी और फूलों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही।

मदर्स डे पर लोगों ने अपनी माताओं को उपहार देकर, खास भोजन बनाकर और भावनात्मक संदेशों के जरिए उनके प्रति अपने प्रेम और आभार को व्यक्त किया।

गरजा बुलडोजर, नगर निगम की टीम के साथ उलझे दुकानदार

एजेंसी

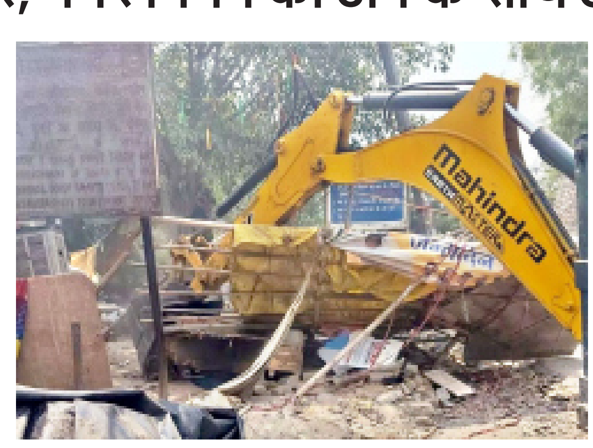

पूर्वी दिल्ली : अतिक्रमण करने वालों पर नगर निगम कार्रवाई कर रहा है। बुधवार को निगम शाहदरा दक्षिणी जोन का बुलडोजर रेलवे पुल के पास गरजा, जहां अवैध दुकानें और झुग्गियां तोड़ी गईं।

इसके साथ ही लक्ष्मी नगर मेन मार्केट, गांधी नगर समेत कई जगह कार्रवाई की गई। वहीं, शाहदरा उत्तरी जोन की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर तीन वार्डों में अभियान चलाया।

अपना सामान छुड़वाने के लिए लोग लगाते रहे गुहार : अस्थायी दुकानों को तोड़ा गया। सड़क पर खड़ी रेहड़ियों और दोपहिया वाहनों को जब्त कर लिया गया। लोग अपना सामान छुड़ाने के लिए निगम की टीम से गुहार लगाते दिखे, लेकिन कोई रियायत नहीं बरती गई।

नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटना जरूरी है, इसलिए किसी को छूट नहीं दी जाएगी।

दुकानों के बाहर सड़क पर रखे काउंटर किए जब्त : निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन की टीम ने लक्ष्मी नगर मेन मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर दुकानों के बाहर सड़क पर रखे काउंटर, सामान और डमी को जब्त किया गया। टीम को देखकर काफी दुकानदारों ने अपनी दुकान का बाहर रखा सामान अंदर कर लिया, इसलिए वह कार्रवाई से बच गए।

गांधी नगर मार्केट के पास दिल्ली-सहारनपुर हाईवे की सर्विस रोड पर बोरियों में बंद कपड़ों को भी निगम की टीम उठा ले गई।

नगर निगम की टीम के साथ उलझे दुकानदार : इस पर उनसे दुकानदार उलझते नजर आए। यहां पर लोहा पुल के पास से झुग्गियां और अवैध दुकानों को तोड़ दिया गया। कैलाश नगर में भी कार्रवाई की गई।

निगम के शाहदरा उत्तरी जोन की टीम ने कर्दमपुरी वार्ड से अतिक्रमण हटाने की शुरुआत की। दुर्गापुरी चौक से 100 फुटा रोड तक कार्रवाई की गई।

सड़क पर खड़ी दो स्कूटी और एक मोटरसाइकिल भी की जब्त : यहां से सड़क पर खड़ी दो स्कूटी और एक मोटरसाइकिल को जब्त किया गया। सड़कों पर खड़ी रेहड़ियों को निगम की टीम उठाकर ले गई।

बीआर अंबेडकर कालेज के आसपास और वेस्ट ज्योति नगर की सड़कों से अस्थायी दुकानों को हटाया गया। दिलशाद गार्डन वार्ड में ताहिरपुर रोड लाल बत्ती कार मार्केट और खजूरी चौक से भी अतिक्रमण हटाया।

जनखबर
jankhabarnews@gmail.com

योगी सरकार का बड़ा फैसला, घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने पर देना होगा शुल्क, यूपी के 17 शहरों में लागू हुआ नियम

एजेंसी

लखनऊ।। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में अब घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने पर शुल्क लगेगा। योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। यह नियम उन लोगों पर लागू होगा, जिनके घर में पार्किंग की जगह नहीं है और वे अपनी गाड़ी बाहर पार्क करते हैं। नगर निगम प्रशासन रात में गाड़ियों के लिए पार्किंग की जगह बनाएगा। भीड़ वाले शहरों में त्योहारों के दौरान फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग की सुविधा भी दी जाएगी।

योगी सरकार की कैबिनेट ने यूपी नगर निगम (पार्किंग स्थान का सन्निर्माण, अनुरक्षण और प्रचालन) नियमावली-2025' को मंजूरी दे दी है। नगर विकास विभाग ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। अब यूपी के 17 जिलों में लोगों को अपने घर के बाहर गाड़ी पार्क करने के लिए पैसे देने होंगे। सरकार ने पार्किंग की दरें भी तय कर दी हैं। हालांकि, हरियाली वाली जगहों पर पार्किंग के लिए ठेका नहीं दिया जाएगा।

यह सुविधा सबसे पहले लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज, फिरोजाबाद, बरेली, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, वाराणसी, शाहजहांपुर और सहारनपुर में शुरू होगी। हर नगर निगम में एक 12 सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इस समिति के अध्यक्ष नगर आयुक्त होंगे। सहायक अभियंता को सदस्य सचिव बनाया जाएगा। यह समिति 90 दिनों के अंदर पार्किंग के लिए संभावित जगहों की लिस्ट बनाएगी। साथ ही PPP (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत पार्किंग की सुविधाएं विकसित करने के लिए लाइसेंस भी जारी किए जाएंगे। पीपीपी मॉडल का मतलब है कि सरकार और प्राइवेट कंपनियां मिलकर पार्किंग बनाएंगी।

10 लाख की कम आबादी वाले शहरों की पार्किंग की कीमत

समय अवधि	दो पहिया	चार पहिया
1 घंटा	5 रुपये	10 रुपये
2 घंटा	10 रुपये	20 रुपये
24 घंटा	40 रुपये	80 रुपये
मासिक पास	600 रुपये	1200 रुपये

10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की पार्किंग की कीमत

समय अवधि	दो पहिया	चार पहिया
1 घंटा	7 रुपये	15 रुपये
2 घंटा	15 रुपये	30 रुपये
24 घंटा	57 रुपये	120 रुपये
मासिक पास	855 रुपये	1800 रुपये

सरकार का कहना है कि इस नियम से शहरों में जाम की समस्या कम होगी। लोगों को अपनी गाड़ी पार्क करने के लिए सुरक्षित जगह मिलेगी। नगर निगम को पार्किंग शुल्क से कमाई भी होगी। इस कमाई का इस्तेमाल शहरों को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

फोन चोरी कर खाते से डेढ़ लाख रुपये निकाले

एजेंसी

लोनी।। बार्डर थाना क्षेत्र की अल्वी नगर कालोनी में रहने वाले एक व्यक्ति का मोबाइल फोन चोरी कर खाते से डेढ़ लाख रुपये निकालने का मामला सामने आया है। नये मोबाइल में फोन पे ऐप शुरू करने के बाद पीड़ित को घटना का पता चला।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अल्वी नगर कालोनी निवासी अब्दुल सत्तार ने बताया कि 29 अप्रैल को लाल बाग सब्जी मंडी जा रहे थे। इसी दौरान किसी चोर ने जेब में रखा मोबाइल चुरा लिया। जिसपर पीड़ित ने अपना सिम कार्ड बंद करा दिया। उन्होंने तीन दिन पहले नया फोन लेकर पुराना नंबर चालू कराया।

जिसपर उन्हें पता चला कि चोरों ने 29 व 30 अप्रैल और एक मई को कई बार में अलग अलग पांच खातों में करीब डेढ़ लाख रुपये ट्रांसफर कर लिये। बैंक अधिकारियों ने बताया कि पैसे सुहैल, अफजल, फरमान, शादाब व साकिब के खातों में गये है। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की है। एसीपी अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल में भी की है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की सतर्कता से सकुशल मिला लापता बच्चा, ग्रामीणों ने की सराहना

एजेंसी

बागपत। खेकड़ा थाना क्षेत्र के रटौल कस्बे में सोमवार को एक 3 वर्षीय मासूम के लापता होने से हड़कंप मच गया। परिजनों की सूचना पर रटौल चौकी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को सकुशल खोज निकाला और परिवार को सौंप दिया। लापता बच्चा अबुजर पुत्र इसरार निवासी कस्बा रटौल है, जिसकी उम्र लगभग 3 वर्ष है। जैसे ही परिजनों ने बच्चे की गुमशुदगी की सूचना दी, रटौल चौकी प्रभारी संजय सिंह पुनिया ने मामले की गंभीरता को समझते हुए हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार व कांस्टेबल शौकेंद्र नागर के साथ मिलकर खोजबीन शुरू की। पुलिस टीम की सूझबूझ और मेहनत के चलते मासूम को सुरक्षित वापस लाना संभव हुआ।

बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली, वहीं ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की जमकर सराहना की। इस कार्य से रटौल पुलिस की छवि और मजबूत हुई है।

बेकरी मालिक पर दबंगों का हमला:गाजियाबाद में उधार सामान न देने पर 25 लोगों ने की मारपीट

एजेंसी

थाना।। थाना लोनी बार्डर के बेहटा हाजीपुर में बेकरी संचालक और उसके परिजनों से मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने सोमवार दोपहर मौलाना आजाद कालोनी के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने साथियों के साथ मिलकर शनिवार को जबरन पैसे न देने पर बेकरी संचालक व उसके परिवार के लोगों की पिटाई की थी। पुलिस आरोपियों के फरार साथियों की तलाश में जुटी है। बेहटा हाजीपुर निवासी गुलाम अब्बास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उस्मान मलिक उर्फ कलवा आए दिन सरस्वती स्कूल के सामने स्थित उनकी बेकरी से जबरन पैसे ले जाता था। शनिवार को छोटा भाई बेकरी पर बैठा था तो उसने आरोपी को पैसे देने से मना कर दिया था। जिस पर आरोपी ने अपने साथियों को बुलाकर उनकी, दुकान पर बैठे भाई की पिटाई की थी। शोर मचाने पर पहुंचे बच्चों और परिवार की औरतों के साथ भी मारपीट की गई थी। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि मामले में पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद समेत 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस टीम ने सोमवार दोपहर मौलाना आजाद कालोनी के पास से उस्मान मलिक उर्फ कलवा, जावेद, सुहैल को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रास्ते से न हटने पर राजमिस्त्री की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी

गाजियाबाद।। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर निवासी राजमिस्त्री की गंगा तट बंध के रास्ते से न हटने के विवाद में गाजियाबाद व हापुड़ के पांच युवकों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी रहरा थाना क्षेत्र के गांव में आयोजित शादी समारोह में जा रहे थे। पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। राज-मिस्त्री का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

परिजनों के मुताबिक 32 वर्षीय शीशपाल पुत्र विजयराम जाटव रविवार रात खाना खाने के बाद गांव से सटे गंगा तट बंध के रास्ते पर पैदल टहलने निकला था। इस दौरान हाइवे के जीरो प्वाइंट से होते हुए रहरा के गांव पथरा में आयोजित शादी समारोह में जा रहे दो बाइकों पर सवार पांच युवकों ने बाइक का हार्न बजाया। शीशपाल रास्ते से नहीं हटा तो युवकों ने बाइक रोककर उसकी बुरी तरह पिटाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक ने गांव में आकर खबर दी कि गांव के बाहरी छोर पर पांच लोग शीशपाल को बुरी तरह पीट रहे हैं। गांव के तमाम लोग एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए। शीशपाल लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था। उसके माथे व टांग पर चोट का निशान था। दो युवक शीशपाल को बाइक से आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए, जहां चिकित्सक ने शीशपाल को मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना के बाद फरार हो रहे दो आरोपियों को ग्रामीणों ने मौके पर पकड़ लिया। बाकी तीन को पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया।

स्थानीय लोगों ने हिंडन एयरपोर्ट रोड पर नाले के जुड़ने का विरोध किया

एजेंसी

ट्रांस हिंडन।। हिंडन एयरपोर्ट रोड पर बनाए जा रहे नाले को शालीमार गार्डन 80 फुटा रोड के नाले से जोड़ने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। विक्रम एंक्लेव, छाबड़ा कॉलोनी के कई लोगों ने नाला जोड़ने के विरोध में मकान पर पलायन के पोस्टर चिपका दिए हैं। लोगों का कहना है कि यह नाला पूरे 80 फुटा रोड से होकर आगे जाता है। यह पहले से ही ओवरफ्लो रहता है।

इसमें एयरपोर्ट, अजंतापुरम, सिकंदरपुर गांव और आसपास विकसित हो रही कई सोसाइटी से निकलने वाला पानी भी आएगा तो यहां रहने वाले लोगों का जीवन दूभर हो जाएगा। आए दिन गंदा पानी भरा रहेगा।

नगर निगम के अधिशासी अभियंता देशराज सिंह का कहना है कि नाला नियमानुसार ही जोड़ा जा रहा है। यह प्रमुख नाला है और इसके अलावा आसपास कोई दूसरा नाला नहीं है।

लोनी और मोदीनगर में औद्योगिक सिटी बसाने की योजना

एजेंसी

गाजियाबाद। सूई से लेकर हवाई जहाज तक के पार्ट बनाने वाली उद्योग नगरी के रूप में पहचान रखने वाले गाजियाबाद में उद्योगों को जमीन नहीं मिल रही है। नए उद्योगों को जमीन मिल सके इसके लिए अब शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि योग्य भूमि का भू-उपयोग परिवर्तन कराकर औद्योगिक टाउनशिप बसाने की योजना पर जीडीए ने काम शुरू कर दिया है। लोनी, मोदीनगर और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे बसे गांवों की जमीन पर उद्योगों को स्थापित करने की कवायद तेज हो गई है। महायोजना 2031 में भी भी औद्योगिक क्षेत्रों के लिए व्यवस्था की गई है। पिछली बोर्ड बैठक में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने जिले के मोदीनगर और डासना मसूरी के 61 गांवों को जीडीए में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। जीडीए के क्षेत्र विस्तार में आए ज्यादातर गांव दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटे हैं। आने वाले सालों में जहां शहरों का विस्तार बढ़ेगा वहीं, उद्योगों के लिए जगह की भी जरूरत होगी। ऐसे में उद्योगों के लिए औद्योगिक टाउनशिप की योजना पर काम किया जा रहा है। ट्रांपोर्टनगर, औद्योगिक टाउनशिप के लिए डासना, मोदीनगर, लोनी को चिन्हित किया गया। इन इलाकों में कृषि योग्य जमीन के भू-उपयोग की योजना तैयार की जा रही है। लोनी में मंडोला विहार के आसपास, दिल्ली-सहारनपुर ग्रीन कॉरिडोर के आसपास भी औद्योगिक क्षेत्र बनाने की दिशा में जीडीए काम कर रहा है।

जिले में छोटे-बड़े 28 हजार उद्योग : जिले में छोटे -बड़े करीब 28 हजार उद्योग हैं। इसके साथ अलग-अलग क्षेत्रों में 15 औद्योगिक क्षेत्र हैं। दिल्ली से सटे लोनी में तो आवासीय क्षेत्रों में लोगों ने उद्योग लगा रखे हैं। इंडस्ट्री टाउनशिप बनने के बाद इन उद्योगों के साथ ही नए उद्योगों को भी जमीन मिल सकेगी।

3700 निवेशकों ने किया है एक लाख 37 हजार करोड़ का एमओयू साइन : 2023 में गाजियाबाद में उद्योग लगाने की इच्छा रखने वाले 3700 उद्यमियों ने करीब एक लाख 37 हजार करोड़ का निवेश करने का एमओयू साइन किया था। उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान का कहना है कि जमीन नहीं मिलने से अभी तक 3300 निवेशक उद्योग नहीं लगा सके हैं। करीब साढ़े तीन सौ लोगों ने ही उद्योग लगाने का काम शुरू किया है। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि शहरी की सीमाओं पर बसे क्षेत्रों में औद्योगिक टाउनशिप योजना को लाने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। लोनी,मोदीनगर, मंडोला, डासना, मसूरी में कृषि योग्य भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन के लिए शासन और प्रशासन से पत्र व्यवहार किया जा रहा है। प्रस्ताव तैयार कर बोर्ड बैठक में ले जाया जाएगा। अगले 15 वर्ष की कार्य योजना पर काम चल रहा है।

गाजियाबाद में धड़ाधड़ हो रहे एनकाउंटर, 24 घंटे में 6 बदमाशों को पुलिस ने गोली मार दबोचा

एजेंसी

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर चेकिंग के दौरान बदमाशों के साथ मुठभेड़ की। कुछ ही घंटों के भीतर हुई इन मुठभेड़ों में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। नंदग्राम थाना क्षेत्र में 2 बदमाश पकड़े गए, जबकि क्रॉसिंग रिपब्लिक में 4 बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस लगातार गाजियाबाद में अपराध को रोकने के लिए चेकिंग कर रही है। गाजियाबाद में अपराध बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए पुलिस समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाती है। नंदग्राम में पुलिस रोजाना की तरह चेकिंग कर रही थी। तभी उन्हें मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखे. पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया। पुलिस को पीछा करता देख बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग की। इस फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी। पुलिस ने दोनों शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बदमाशों के पैर में लगी गोली : क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की पुलिस को सूचना मिली 45,000 रुपये की चोरी के मामले में वांछित चार बदमाश दो मोटरसाइकिल और एक ऑटो में सवार होकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर चारों बदमाश मोटरसाइकिल पर भागने लगे। पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल हो गए। पुलिस ने चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि ये चारों बहुत शातिर बदमाश हैं। पुलिस के अनुसार, नंदग्राम में चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस का पीछा करने पर उन्होंने फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की और एक बदमाश घायल हो गया। क्रॉसिंग रिपब्लिक में पुलिस को सूचना मिली थी कि 45,000 रुपये की चोरी के मामले में वांछित चार बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में दो बदमाश घायल हो गए।

गाजियाबाद में 2 लाख की रिश्वत लेते इंस्पेक्टर को दबोचा

एजेंसी

गाजियाबाद।। सीबीआई ने जिले में तैनात सीजीएसटी इंस्पेक्टर को दो लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। निरीक्षक ने एक फर्म संचालक से इनपुट टैक्स क्रेडिट में कथित गड़बड़ी को लेकर 15 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। दो लाख रुपये में मामला तय हो गया।

इसके बाद कारोबारी ने मामले की शिकायत सीबीआई से कर दी। सीबीआई ने जब निरीक्षक को पकड़ने का प्रयास किया तब इंस्पेक्टर ने भागने के दौरान सीबीआई एवं अन्य वाहन को टक्कर मारकार भागने का प्रयास किया। हालांकि, सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। शिकायतकर्ता ने सीबीआई को बताया कि निरीक्षक ने उसकी फर्म के जीएसटी रिटर्न में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में गड़बड़ी को लेकर 15 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। आरोपी लगातार व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से शिकायतकर्ता पर रिश्वत देने के लिए दबाव बनाता था। साथ रिश्वत न देने पर फर्म के खिलाफ कठोर कार्रवाई की धमकी देता था।

फुले फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग

एजेंसी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद पैरेंट्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिक्षा का महत्व बताने वाली फिल्म फुले को टैक्स फ्री करने की मांग की है। एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन मंगलवार को एडीएम सिटी गंभीर सिंह को सौंपा।

एसोसिएशन का कहना है कि फिल्म के माध्यम से सावित्रीबाई फुले और उनके पति फुले ज्योतिराव द्वारा भारत में लड़कियों के लिए स्कूल स्थापित करने एवं समाज में व्याप्त अनेकों कुरीतियों को समाप्त करने के संघर्ष को दिखाया गया है। साथ ही शिक्षा के महत्व को भी समझाया है। इसलिए जीपीए ने प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में अनुरोध किया है कि फुले फिल्म को टैक्स फ्री करने के प्रयास किए जाएं, ताकि फिल्म का संदेश व्यापक रूप से प्रचारित-प्रसारित हो सके। इस मौके पर अनिल सिंह, राहुल कुमार, धर्मेंद्र सिंह, मीनू सिंह, ज्योति भाटी, राजू सैफी, नरेश कुमार, पूजा सिंह, जया, दीपाली पाल, अनीता पाल, मोहित मावी, रिजवान आदि मौजूद रहे।

पाकिस्तान घुटने पर आया तो यूपी में दिखा जोश, अयोध्या में मां भारती की आरती तो गाजियाबाद में निकली शौर्य-शोभा यात्रा

एजेंसी

गाजियाबाद/मेरठ/संभल/अयोध्या : भारत और पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमति बन गई है. पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से किए गए ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद से दोनों देशों में जारी 'युद्ध' को रोकने पर फैसला उस सम लिया गया, जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने शनिवार दोपहर 3.35 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन किया.

दोनों देशों के अधिकारियों ने शनिवार शाम 5 बजे से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है. हालांकि सीजफायर को लेकर भारत का रुख स्पष्ट है कि अगर पाकिस्तान ने फिर कोई नापाक हरकत की, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा. वैसे इस जंग में पाकिस्तान को भारत ने काफी नुकसान पहुंचाया है. भारत की सैन्य कार्रवाई और सीजफायर के फैसले के बाद यूपी में कई जगह जश्न देखने को मिल रहा है.

इसको लेकर जहां गाजियाबाद में शौर्य एवं शोभा यात्रा निकाली गई, वहीं अयोध्या में मां सरयू की आरती के साथ ही भारत माता की आरती भी उतारी गई. मेरठ में तो युवाओं में खासा जोश एवं जश्न देखा गया. उन्होंने भारत माता की जय के खूब नारे लगाए. वहीं, संभल में यज्ञ के साथ ही भारत के समर्थन में गगनभेदी नारे लगाए गए.

सबसे पहले गाजियाबाद की बात करें तो यहां शौर्य एवं शोभा यात्रा निकाली. ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में बने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने और उसके बाद सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान को धूल चटाए जाने के बाद भाजपा ने देश के सैनिकों के पराक्रम को लेकर एक सम्मान

यात्रा का आयोजन किया. इस यात्रा में न सिर्फ हिन्दू, बल्कि मुस्लिम लोगों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. जब लोगों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि भारतीय सैनिकों जो पराक्रम दिखाया है, उसके आगे पाकिस्तान नतमस्तक नजर आ रहा हैष्ठ हमें अपने सैनिकों पर गर्व हैं.

गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग भी इस सम्मान यात्रा में हिस्सा लेने पहुंचे. अतुल गर्ग ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बहन बेटियों के सिंदूर को मिटाने वाले आतंकियों के खात्मे के लिए लॉन्च किया गया था. भारतीय सैनिकों के पराक्रम के आगे पाकिस्तान नतमस्तक हो गया है.

सम्मान यात्रा में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र एवं भाजपा नेता नीरज सिंह भी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने ऐसा पराक्रम दिखाया है कि पाकिस्तान पिछली सभी लड़ाइयों के साथ-साथ 2025 में हुई इस लड़ाई को भी याद रखेगा. ये लड़ाई सिर्फ सैनिकों से नहीं थी. बल्कि हिंदुस्तान के सभी लोगों से थी. भारत को एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो अपने दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देने में सक्षम है.

वहीं, संभल में भारतीय सेना के लिए यज्ञ किया गया. कश्यप समाज ने इस यज्ञ को कर भारतीय सेना की सफलता एवं सुरक्षा की कामना की. सीजफायर के ऐलान के साथ ही यहां भारत के समर्थन में गगनभेदी नारे लगे. संभल के चंदौसी में यह यज्ञ किया गया था.

अयोध्या में तो भारत-पाकिस्तान में सीजफायर होने के बाद और रामनगरी में भारत माता की आरती उतारी गई. सरयू मां की आरती के दरमियान भारत माता की भी आरती उतारी गई. इस दौरान देशभक्ति के नारे लगाए गए. भारत के सामने पाकिस्तान के नतमस्तक होने के उत्साह में यहां जश्न मनाया गया. सरयू नृत्य आरती के अध्यक्ष शशिकांत दास ने इस मौके पर कहा कि भारतीय सेना के दम पर भारतवासी अपने घरों में आराम से रह रहे हैं. भारतीय सेना के अदम साहस और शौर्य की वजह से हमें विजय मिली. मां भारती के सामने पाकिस्तान घुटनों पर आ गया.

मेरठ की बात करें तो यहां भी सीजफायर की खबर के बाद युवाओं का ऐसा जोश दिखा जो बस देखते ही बनता है. युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की. इन लोगों ने भारतीय सेना के लिए जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए. भारत माता के जयकारे से समूचा प्रांगण गूंजने लगा.

भारत से तनाव बढ़ाकर मुनीर ने चल दी असली चाल, इमरान खान को खबरों से करा दिया गायब, समझें खेल

एजेंसी

इस्लामाबाद।। कश्मीर के पहलगाम में हुए हिंदू नरसंहार के बाद 26 लोगों की जान गई. इसके जवाब में, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और इदख में आतंकवादी ढांचे पर सटीक हमले किए गए. शनिवार को पाकिस्तान की मिन्नतों के बाद सीजफायर हो गया है. इसके बाद अब पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक सीजफायर की बात उठ रही है. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (PTI) के अध्यक्ष गोहर अली खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार से इऊध के साथ भी संघर्ष विराम की अपील की है. वहीं पीटीआई को इस बात का डर है कि इमरान की हत्या कराई जा सकती है. इमरान के करीबी डा. सलमान का दावा है कि भारत से संघर्ष के बीच ऐसा करने की

कोशिश की गई. जेल के ऊपर ड्रोन उड़ते हुए दिखे.

हालांकि पाकिस्तानी सेना के जनरल असीम मुनीर और इमरान खान में बिल्कुल भी नहीं बनती है. यही कारण है कि पाकिस्तान की मीडिया से इमरान खान पूरी तरह गायब हैं. रविवार को पाकिस्तानी अखबार और मीडिया आउटलेट में इमरान खान से जुड़ी कोई भी खबर नहीं देखने को मिली. सीजफायर को प्रमुखता दी गई, जबकि सबसे बड़ी खबर यही है कि उन्हें जेल में मारने से जुड़ी कोशिश की गई. लंबे समय से इमरान खान सेना की पहली पसंद रहे हैं. लेकिन अप्रैल 2022 में उन्हें अविश्वास मत से हटा दिया गया. तकनीकी रूप से यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया लग रही थी, लेकिन असल बात है कि सेना उनके ऊपर कंट्रोल नहीं कर पा रही थी. हटाने के बाद उन्हें जेल में डाला गया और उनकी स्पीच प्रतिबंधित कर दी गई.

सेना जो चाहेगी वही होगा : पाकिस्तान में सेना जो चाहती है वही होता है. आज शहबाज को समर्थन है तो वो पीएम बने हैं. इमरान को भी सेना का समर्थन था, लेकिन जैसे ही सेना ने अपना हाथ हटाया वह सत्ता से गायब हो गए. सेना का दबदबा कितना है वह इसी बात से समझा जा सकता है कि अमेरिका के विदेश मंत्री सीधे जनरल मुनीर को फोन करते हैं. हालांकि खान इकलौते नहीं हैं जिन्हें सेना ने हटाया. पाकिस्तान का राजनीतिक इतिहास कुछ इसी तरह है. पाकिस्तान के बनने के बाद से ही जिसने सेना की नहीं सुनी या तो उसे मौत मिली या फिर जेल. जुल्फिकार अली भुट्टो और नवाज शरीफ ऐसा ही नाम हैं. परवेज मुशर्रफ ने तो 21वीं सदी में पाकिस्तान का तख्तापलट कर दिया था. माना जा रहा है कि असीम मुनीर भी कुछ ऐसा करना चाहते हैं.

चार लापता युवतियों को पुलिस ने खोजा, दिल्ली और गाजियाबाद टीम की संयुक्त कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से अपने-अपने घरों से लापता चार युवतियों को क्राइम ब्रांच ने दिल्ली और गाजियाबाद से बरामद कर उन्हें स्वजन से मिलवा दिया है। चार मामलों में युवतियों के बारे में पता बताने वालों को दिल्ली पुलिस ने 20-20 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की थी।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर क्राइम ब्रांच मंगेश कश्यप के मुताबिक पहले मामले में 30 वर्षीय युवती के स्वजन ने 25 नवंबर को नरेला थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। क्राइम ब्रांच ने थानों और जिपनेट से लापता युवतियों का डाटा एकत्र कर उक्त घटनास्थलों का दौरा किया।

पूछताछ में युवती ने किया खुलासा : लापता युवतियों के परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की गई। जांच के बाद उसे दिल्ली से बरामद कर लिया गया। पूछताछ में युवती ने बताया कि वह तनाव में थी। इसलिए परिवार के सदस्यों को बताए बिना घर से चली गई थी। दूसरे मामले में 31 जनवरी को एक व्यक्ति ने नरेला थाने में युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस टीम ने गांव बकनेर, नरेला की उक्त युवती को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। उसने भी पूछताछ में बताया कि पारिवारिक कुछ कारणें से वह तनाव में थी। इसलिए परिवार वालों को बताए बिना वह घर छोड़कर चली गई थी।

तीसरे मामले में 31 जनवरी को एक व्यक्ति ने अलीपुर थाने बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस टीम ने सोम बाजार चौक, सिंघु बॉर्डर, अलीपुर क रहने वाली 18 वर्षीय युवती को राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद से बरामद कर लिया। इसने भी तनाव आकर अपना घर छोड़ दिया था। चौथे मामले एक व्यक्ति ने एक मार्च को 19 वर्षीय बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट नरेला थाने में दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस टीम ने युवती को दिल्ली से बरामद कर स्वजन को सौंप दिया।

लूटी हुई कार से की थी हथियार के बल पर स्कूटी सवार से लूट, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले एक कार लूटी उसके बाद हथियार के बल पर स्कूटी सवार से नकदी लूट ली।

पकड़ा गया आरोपी यूसुफ है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बाँठिया ने बताया कि प्रभारी स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर रोहित सारस्वत की देखरेख में गठित टीम ने यूसुफ को गाजियाबाद यूपी से गिरफ्तार किया है। आरोपी थाना तिमारपुर में लूट के मामले में वांछित था। आरोपी फरवरी से अपने घर से फरार था, एक लूट के बाद जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता से चोरी की गाड़ी का इस्तेमाल कर बंदूक की नोक पर 3 हजार रुपए की स्कूटी सवार से लूट की थी।

जांच में पता चला कि यूसुफ़ आउटर रिंग रोड पर हुई हथियार के बल पर 4,65,000 रुपए की लूट में थाना वज़ीराबाद का वांछित और घोषित अपराधी है।

आरोपी गाजियाबाद, हापुड़ और नोएडा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में पहले भी शामिल रहा है। हापुड़ में गिरफ्तारी के दौरान उसके पैर में गोली लग गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोजन में ज्यादा नमक डालने को लेकर हुए विवाद में दोस्त की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली।। अमर कॉलोनी इलाके में भोजन में बनाते समय नमक ज्यादा डालने को लेकर दो दोस्तों में झगड़ा हो गया। इस दौरान एक दोस्त ने दूसरे पर कांच की बोतल से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल शख्स ने अपने बचाव में आरोपी पर हमला किया, जिससे वह भी घायल हो गया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती किया, जहां डॉक्टरों ने 30 वर्षीय राकेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि आरोपी लालजी को उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कांच की बोतल भी बरामद कर ली है।

पुलिस उपयुक्त रवि कुमार ने बताया कि राकेश उत्तर प्रदेश के उन्नाव के गांव इंधानी मऊ का रहने वाला था। दिल्ली में मजदूरी करता था और निर्माणाधीन इमारत में ही रहता था, जबकि उसकी पत्नी लुधियाना में अलग रहती है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि राकेश, आरोपी लालजी, तेजीलाल और रामजीवन एक ही गांव के रहने वाले हैं। सभी दिल्ली में मजदूरी करते हैं। वर्तमान में पी18 प्राइवेट कॉलोनी एसएन पुरी स्थित एक इमारत में मजदूरी कर रहे हैं। सात मई की रात करीब 9 बजे राकेश भोजन बना रहा था। इसी दौरान लालजी ने भोजन में नमक कम रखने के लिए कहा। राकेश ने विरोध करते हुए कहा कि अब भोजन बना दिया है, खा लेना। इस बात को लेकर राकेश और लालजी के बीच विवाद हो गया। लालजी ने राकेश पर कांच की बोतल से हमला कर दिया। राकेश ने भी अपने बचाव में बोतल के टूकड़े से लालजी पर वार कर घायल कर दिया। राकेश गंभीर रूप से घायल हो गया।

तेजीलाल ने पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों के नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया, जहां राकेश को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उपचार के बाद लालजी को गिरफ्तार कर लिया है।

वृद्धा पेंशन के लाभार्थियों का होगा वेरिफिकेशन

एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली सरकार गरीब बुजुर्गों को हर महीने मिलने वाली पेंशन को गलत तरीके से हड़पने वालों की पहचान कर उनके नाम को हटाएगी। उनकी जगह नए पात्र लोगों को पेंशन देगी। इसके लिए समाज कल्याण विभाग पहली बार हाउस टू हाउस थर्ड पार्टी फिजिकल वेरिफिकेशन (भौतिक सत्यापन) शुरू करने जा रहा है।

इससे फर्जी तरीके से पेंशन उठाने वालों की पहचान हो सकेगी। समाज कल्याण विभाग कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद इस अभियान को शुरू करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग को लग रहा है कि फर्जी तरीके से पेंशन लेने वालों की संख्या 30 प्रतिशत तक हो सकती है।

हालांकि वेरिफिकेशन के बाद ही सही तस्वीर सामने आ पाएगी। इसी के साथ पेंशन लेने वालों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। अभी 2011 की जनगणना के अनुसार 5 लाख 30 हजार बुजुर्गों को ही पेंशन मिल सकती है।मौजूदा समय में वृद्धावस्था आर्थिक सहायता योजना के अन्तर्गत 60- 69 आयु वर्ग के गरीब वृद्धजनों को 2000 रुपए प्रतिमाह (अनुसूचित जाति, जन जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए अतिरिक्त 500 रुपए प्रतिमाह) और 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के गरीब वृद्धजनों को 2500 रुपए रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

लेकिन विभाग को अंदेशा है कि कुछ लोगों की मौत होने के बाद भी उनके परिवार के लोग एनुअल लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर पेंशन उठा रहे हैं। यह भी अंदेशा है कि बहुत सारे लोग सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बावजूद इस योजना का लाभ गलत तरीके से ले रहे हैं। संपत्ति बढ़ने के बावजूद पेंशन लेने की भी आशंका है।

इसके अलावा विभाग को यह भी आशंका है कि दूसरे राज्यों में रहने वाले बुजुर्ग भी दिल्ली सरकार से पेंशन ले रहे हैं।

माना जा रहा है कि गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व नोएडा आदि शहरों में रह रहे कई बुजुर्ग भी वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिल्ली सरकार से ले रहे हैं। पेंशन सही लाभार्थी तक पहुंच रही है या नहीं हाउस टू हाउस ऑडिट में चीजें सामने आ जाएंगी। भौतिक सत्यापन के बाद जितने भी अपात्र मिलेंगे या जिनकी मृत्यु हो गई है, उनके नाम हटा दिए जाएंगे। इनके स्थान पर नए लाभार्थियों को पेंशन योजना में शामिल किया जाएगा। यदि कहीं फर्जीवाड़ा मिलता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

अभी 4.6 लाख गरीब बुजुर्गों को मिल रही पेंशन : अभी दिल्ली सरकार का समाज कल्याण विभाग 4.6 लाख गरीब बुजुर्गों को पेंशन दे रहा है। 46 हजार बुजुर्गों का पेंशन एनुअल लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं करने समेत अन्य कारणों से रोक दिया गया है।

विभाग को इनको कई बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी इनका जवाब प्राप्त नहीं हुआ है।

अंबेडकर विश्वविद्यालय ने छात्राओं के लिए शुरू की ई-रिक्शा सेवा, यहां देखें टाइमिंग और लोकेशन

एजेंसी

नई दिल्ली।। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली ने विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए एक नई ई-रिक्शा सेवा शुरू की है। इस पहल से छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सुविधा मिलेगी।

इस जगह से चलेंगी ई-रिक्शा : यह ई-रिक्शा सेवा कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसर से क्रमशः कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन और कीर्ति नगर मेट्रो स्टेशन तक संचालित की जाएगी। छात्राएं शाम पांच बजे से सात बजे तक इस सेवा का निःशुल्क लाभ उठा सकेंगी।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर ने कहा, 'हम अपनी छात्राओं की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोपरि मानते हैं। यह ई-रिक्शा सेवा हमारी छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन विकल्प प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।'

यह कदम छात्राओं के प्रति विश्वविद्यालय प्रशासन की प्रतिबद्धता और सशक्तिकरण की सोच को दर्शाता है।

पाकिस्तान को बचाने के लिए अक्साई चिन में तैनात हैं चीन के सैनिक... सिन्हुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का बड़ा खुलासा, भारत से लड़ाई की तैयारी?

एजेंसी

बीजिंगः भारत और पाकिस्तान युद्ध की दहलीज पर खड़े होकर अपने कदम पीछे खींचते फिलहाल नजर आ रहे हैं। दोनों देश करीब करीब युद्ध में फंस ही चुके थे। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के इस हालात में चीन ने एक बार फिर से वही किया, जिसके लिए वो जाना जाता है, डबल गेम। हालांकि ऊपर से देखने पर ऐसा लगता है कि चीन ने शांति और बातचीत की बात पर जोर देकर कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है, लेकिन खिड़की के अंदर खड़ा होकर देखने पर पता चलता है कि चीन असल में डबल गेम कर रहा है। सिन्हुआ यूनिवर्सिटी के माओ केजी और साउथ एशियन रिसर्च ग्रुप चेन झाऊ ने चीन के एक वेबसाइट उर्ल्हेर्म्फ में एक लेख लिखा है। जिसमें उन्होंने अक्साई चिन में चीनी सैनिकों की तैनाती की बात

की है और लिखा है कि ये चीनी सैनिक असल में भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े जंग को रोकने के लिए हैं।

इस लेख में दोनों ने भारत-पाकिस्तान के तनाव के बीच चीन की डिप्लोमेसी के बारे में समझाने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा है कि 'कुछ हद तक, भारत की कार्रवाइयों से पहले पाकिस्तान के लिए मजबूत समर्थन जारी कर चीन भारत के आक्रमण को रोकना चाहता था, लेकिन जब एक बार भारत ने कार्रवाई शुरू कर दी, फिर ऐसे बयानों के लिए कोई जगह नहीं रह जाती है। उसके बाद बीजिंग के लिए कड़ी चेतावनी जारी करने की जरूरत नहीं थी। इसके बजाय, यह बातचीत का आग्रह करने और शांति को बढ़ावा देने के अपने ज्यादा पारंपरिक रुख पर वापस आ गया।' उन्होंने लिखा है कि 'बयानबाजी में यह सूक्ष्म बदलाव क्षेत्रीय स्थिरता और उसकी जिम्मेदारी की भावना के लिए चीन की गहरी चिंता को दर्शाता है।' उन्होंने लिखा है कि 'चीन ने पाकिस्तान के बयानों को पहले समर्थन देकर भारत पर परोक्ष दबाव बनाने की कोशिश की थी ताकि वह कोई बड़ा सैन्य कदम न उठाए। जब भारत ने 'सीमित' सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी, तब बीजिंग ने अपनी परंपरागत 'शांति' की भाषा में वापसी कर ली।' उन्होंने लिखा है कि चीन का ये रूख उसकी परंपराओं के मुताबिक है, जिसमें वो क्षेत्रीय शांति चाहता है। इस लेख के मुताबिक चीन की इस रणनीति का मकसद भारत जैसे मजबूत पक्ष को पहले एक गंभीर चेतावनी देना था, ताकि वो गंभीर सैन्य कार्रवाई करने से बचे। इस नीति के तहत ही व्यावहारिक तौर पर पाकिस्तान का पक्ष लिया गया था, क्योंकि वो एक कमजोर देश है। यानि पाकिस्तान को 'कमजोर पक्ष' बताकर चीन उस आतंकवाद का समर्थन कर रहा है, जिसके खिलाफ भारत लड़ रहा है। यानि क्या अगर कोई देश आतंकवाद फैलाए और वो कमजोर हो, तो क्या उसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

लेकिन शांति की बात करने वाले चीनी एक्सपर्ट्स ने इस दौरान एक विवादास्पद दावा करत हुए लिखा है कि '2020 से चीनी सैनिक भारतीय नियंत्रण वाले कश्मीर के पास तैनात हैं। और उनकी मौजूदगी दक्षिण एशिया में शांति की अंतिम गारंटी बन गई है।' ये काफी सनसनीखेज खुलासा है कि पीओके में चीनी सैनिकों की मौजूदगी है। यानि भारत की सीमा के पास चीनी सैनिकों की मौजूदगी है, ये एक बहुत बड़े खतरे को दिखाता है। ये खुलासा भारत की संप्रभुता और स्ट्रैटजिक ऑटोनॉमी को चुनौती देता है। यह सिर्फ एक सैन्य तैनाती नहीं, बल्कि बीजिंग की धमकी भी है, जिसमें वो कहने की कोशिश कर रहा है कि अगर भारत पीओके हासिल करने के लिए सैन्य अभियान शुरू करता है तो कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले उन्हें चीन की मौजूदगी को ध्यान में रखना होगा।

गोलियों के निशान, ढहे घर और आंखों में उदासी... पाकिस्तानी गोलीबारी के बाद बबार्दी का मंजर

एजेंसी

अखनूर।। जम्मू-कश्मीर के अखनूर की बीती रात की तस्वीरें सामने आईं हैं. इसमें साफ दिख रहा है कि सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान ने कितनी तबाही मचाई है. पाकिस्तान ने अखनूर, रईसी और उरी सेक्टरों में जमकर गोलीबारी की. हालांकि, कुछ देर बाद गोलीबारी रोक दी गई. मगर, तबाही के लिए उतनी ही समय काफी थी.

सीजफायर के बाद पाकिस्तान की नापाक हरकत की एक-एक बयां कर रही हैं ये वीरान और टूटी पड़ी घरों की दीवारें. पास खड़े उस घर के मालिक. दो देशों के बीच जंग हो गया, दोनों में सीजफायर पर भी सहमती बन गईं, मगर अब इनका क्या? ये कहां जाएंगे? कैसे रहेंगे, अपने सालों की मेहनत से बने घर को फिर से कैसे खड़ा करेंगे?

सीजफायर के अगले दिन यानी कि आज किसान वापस लौटकर अपने घरों को पहुंचे थे. घर पहुंचते ही उनकी बेबसी उनकी आंखों और चेहरे से झलकने लगी. घरों पर शेल और गोले के निशान थे. रात को जब गए थे तो सब बढ़िया था, मगर अब सब बिखरा पड़ा है, जानवर आग में भून कर जमीर पर मरे पड़े हैं.

बता दें कि अखनूर सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से की गई भारी फायरिंग और ड्रोन हमलों ने भारी तबाही मचाई है. पाकिस्तान ने युद्धविराम समझौते के कुछ घंटों बाद ही उल्लंघन किया. स्थानीय लोगों और समाचार स्रोतों के अनुसार, इस हमले में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, पशु मारे गए, और क्षेत्र में बर्बादी का मंजर छा गया.

अखनूर, पुंछ, और राजौरी सेक्टर में भारी गोलीबारी और शेलिंग की गई. स्थानीय विधायक मोहन लाल ने बताया कि हमला रात 8:30 बजे शुरू हुआ और दो घंटे तक चला. कई घरों की दीवारें ढह गईं और गोलीबारी के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं.

कई पशु भी मारे गए. एक गांव में मवेशीशाला पर ड्रोन से हमला हुआ. कई गायें और भैंसें जलकर मर गईं. स्थानीय निवासियों ने बताया कि उनके घरों में आग लग गई और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा.

सीजफायर के बाद लोग अपने गांव में वापस आने लगे थे. तभी रात के आठ बजे के करीब पाकिस्तानी सीमा की ओर से गोलीबारी और ड्रोन अटैक हो गया. लोग जो जहां पड़ा हुआ था, उसे छोड़ कर जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर हो गए.

ओवैसी का नया 'राष्ट्रवादी अवतार', जिसने सैयद शहाबुद्दीन की याद दिला दी

एजेंसी

घरेलू राजनीति में सैयद शहाबुद्दीन और असदुद्दीन ओवैसी दोनों की गिनती कट्टरपंथी और हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को उभारने वाले नेताओं में होती आई है. लेकिन 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जिस तरह से सैयद शहाबुद्दीन ने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर रुख अपनाया था, वैसा ही रुख इस बार के टकराव के दौरान एआईएमआईएम नेता एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी दिखाया है और इसके लिए उन्हें भरपूर तारीफें भी मिल रही हैं. जैसा कि पाकिस्तान मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ सुशांत सरीन ने उनकी सराहना करते हुए लिखा कि बीते दिनों विपक्ष के कई नेताओं, जिनमें ओवैसी भी शामिल हैं, ने एक बेहद जिम्मेदार और सच्चे राष्ट्रवादी नागरिक की भूमिका निभाई है.

पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद ओवैसी का एक तरह से नया अवतार सामने आया है. उन्होंने जो बयान दिए हैं और

जो भाव-भंगिताएं दिखाई हैं, उसने सभी तबकों का दिल जीत लिया है. अपनी दमदार वक्तृत्व शैली के लिए मशहूर ओवैसी पाकिस्तान पर सवाल उठाते हुए उसे लगातार आड़े हाथ ले रहे हैं. उन्होंने पाकिस्तान के सहयोगी देशों, जैसे तुर्किये को भी नहीं बख्शा. इराक और सीरिया में कुर्द उग्रवादियों पर तुर्किये की बमबारी का जिक्र करते हुए उन्होंने तल्ख लफ्जों में कहा, '...उससे (तुर्किये) यह पूछा जाना चाहिए कि जब वो विदेशी जमीन पर आतंकियों को मार सकता है, तो भारत पर सवाल उठाने का उसे क्या हक है?'

सर्वदलीय बैठक में ओवैसी ने नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक संगठन है और जिसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी, के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाने का सुझाव दिया. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने हमारे सशस्त्र बलों और सरकार को ऑपरेशन सिंदूर चलाने के लिए बधाई दी. मैंने सुझाव दिया कि हमें टीआरएफ के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाना चाहिए. हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अमेरिका से इसे आतंकवादी संगठन घोषित करवाना चाहिए. फरवरी में हाफिज अब्दुर रऊफ ने पीओके में भाषण दिया था कि हम इस साल जिहाद करना चाहते हैं. वे जिहाद के नाम पर केवल हत्याएं करना चाहते हैं और आतंक फैलाना चाहते हैं. पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालना चाहिए.'

ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा चलाए गए अभियान का नाम 'बुनयान-अल-मरसूस' रखे जाने पर भी उसकी जमकर खिंचाई की. उन्होंने अपनी पार्टी की एक मीटिंग में कहा, 'पाकिस्तान ने अपने नए ऑपरेशन का नाम 'बुनयान-अल-मरसूस' रखा है. यह कुरआन शरीफ की एक आयत से लिया गया है, जिसमें अल्लाह कहता है कि अगर तुम अल्लाह से मोहब्बत करते हो तो एक मजबूत दीवार की तरह खड़े हो जाओ. लेकिन पाकिस्तान की फौज और हुकूमत झूठी है. इसी आयत के पहले अल्लाह यह भी कहता है कि तुम ऐसी बातें क्यों कहते हो जिन पर खुद अमल नहीं करते हो.' ओवैसी के मुताबिक, ये (पाकिस्तानी) इतने झूठे हैं कि कुरआन के मकसद को ही समझना नहीं चाहते. ओवैसी ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि क्या उन्हें वह वक्त याद नहीं, जब उन्होंने ईस्ट पाकिस्तान में बंगाली मुसलमानों पर गोलियां चलाई थीं. क्या तब वे दीवार की तरह खड़े थे?

गर्मी में नमक की कमी ज्यादा खतरनाक, अचानक आ सकती है बेहोशी, हार्ट पर भी खतरा

गर्मी में शरीर में अगर सोडियम की कमी हो गई तो इससे हार्ट अटैक भी आ सकती है. इसलिए गर्मी में सोडियम की कमी कभी न होने दें. सोडियम हमारे शरीर का इलेक्ट्रोलाइट्स है जो मैग्नीशियम और पोटैशियम के साथ मिलकर हमारे शरीर में इलेक्ट्रिक सिग्नल को बनाता है. इतना ही नहीं सोडियम शरीर में पानी और फ्लूड को बैलेंस करता है. अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाए तो अचानक बेहोशी आ सकती है. इससे हार्ट की बीमारियां परेशान कर सकती है. कमजोरी और थकान इतनी ज्यादा हो जाती है कि इससे चलना मुश्किल हो जाता है.

सोडियम की कमी क्यों होती : मायो क्लीनिक के मुताबिक गर्मी के दिनों में यदि आप बहुत ज्यादा पानी पी लेंगे तो शरीर में सोडियम पेशाब या पसीने के रास्ते निकलता रहेगा. वैसे भी यह गर्मी के दिनों में पसीने से निकलने लगता है.

हालांकि कई और वजहों से भी सोडियम की कमी हो सकती है. पेशाब वाली दवाएं, हार्ट डिजीज, लिवर डिजीज, उल्टी, डायरिया, हार्मोनल चेंज जैसे कारण इसके लिए ज्यादा जिम्मेदार हो सकते हैं.

सोडियम की कमी के लक्षण : सोडियम की कमी शरीर में होने लगे तो उल्टी और मतली आ सकती है. इससे सिर में तेज दर्द और चक्कर दोनों आ सकता है. दिमाग में कंफ्यूजन बहुत रहता है. बहुत ज्यादा इरीटेशन होती है, किसी काम में चैन नहीं मिलता. मांसपेशियों में ताकत बहुत कम

गर्मी में शरीर में नमक की कमी ज्यादा खतरनाक हो सकती है. इस कारण अचानक बेहोशी और यहां तक कि हार्ट डिजीज भी हो सकती है. इसलिए गर्मी में नमक की कमी नहीं होने दें.

हो जाता है. क्रैंप होने लगता है. गंभीर हालत में बेहोशी हो जाती है.

कितना होना चाहिए सोडियम : सोडियम की मात्रा को खून में जांचा जाता है. एक हेल्दी व्यक्ति के खून में सोडियम का स्तर 135 से 145 mEq/L के बीच होना चाहिए. अगर इससे ज्यादा है तो इससे हार्ट संबंधी कई परेशानियां हो सकती है. अगर इससे कम है तो दिमाग की कोशिकाएं कमजोर होती है जिससे ब्रेन संबंधी कई दिक्कतें हो सकती है.

सोडियम की कमी को कैसे पूरा करें : डब्ल्यूएचओ के मुताबिक एक वयस्क व्यक्ति को रोजाना 5 ग्राम नमक की जरूरत होती है. इनमें 2 ग्राम सोडियम होना चाहिए. इससे ज्यादा खाएंगे तो भी परेशानी है और इससे कम खाएंगे तो भी परेशानी है. ज्यादा सेवन से हाई ब्लडप्रेशर की बीमारी होती है.

कम खाने से दिमाग का नर्वस सिस्टम खराब होगा. सोडियम की कमी को पूरा करने के लिए कोई अतिरिक्त चीजों को करने की जरूरत नहीं है. बस बहुत ज्यादा पानी न पिएं लेकिन कम भी न पिएं.

सुबह खाली पेट खाएं नीम पेड़ के पत्ते, सेहत को मिलेंगे सैकड़ो फायदे

नीम औषधीय गुणों से भरपूर पेड़ है, जिसके पत्तों को सेहत के लिए वरदान माना जाता है. नीम को आयुर्वेद में आरोग्य वृक्ष माना गया है. इसकी पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं. सुबह खाली पेट नीम के कुछ पत्ते चबाने से शरीर को गजब के फायदे मिल सकते हैं. नीम के पत्ते शरीर को अंदर से साफ करते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करते हैं. नीम के पत्तों के लाभ जानकर आप चौंक जाएंगे.

यूपी के हाथरस स्थित प्रेम रघु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सरोज गौतम ने न्18 को बताया कि नीम के पत्ते चबाने से शरीर नेचुरल तरीके से डिटॉक्स हो सकता है. नीम की पत्तियों में मौजूद डिटॉक्सिफाइंग गुण शरीर से जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं. सुबह खाली पेट ये पत्ते चबाने से लिवर और किडनी की फंक्शनिंग बेहतर होती है और खून भी साफ होता है. इससे त्वचा पर निखार आता है और मुंहासों जैसी समस्याएं भी कम हो जाती हैं.

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के अनुसार नीम के पत्तों में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल तत्व शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार होते हैं. अगर नियमित रूप से सुबह नीम की पत्तियों का सेवन किया जाए, तो मौसमी संक्रमण, सर्दी-खांसी और वायरल बीमारियों से बचा जा सकता है. पेट के लिए नीम के पत्ते बेहद लाभकारी होते हैं. नीम पाचन को संतुलित करता है और कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं में राहत देता है. सुबह इसका सेवन करने से पाचन रसों का स्राव बेहतर होता है, जिससे भोजन जल्दी और सही तरीके से पचता है. यह पेट के कीड़ों को भी खत्म करने में मदद करता है. डॉक्टर सरोज ने बताया कि डायबिटीज के मरीजों के लिए नीम की पत्तियां बेहद लाभकारी होती हैं. इनका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है. आयुर्वेद में जिक्र है कि नीम के पत्तों में पाया जाने वाला कषाय रस शरीर में मधुर रस को कम करने में मदद करता है. कषाय रस इंसुलिन संवेदनशीलता को भी बढ़ाता है. नीम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं. यह झाइयों, दाग-धब्बों और मुंहासों से राहत दिलाने में मदद करते हैं.

जीरा, सौंफ, धनिया का इस तरह करें सेवन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम न जाने कितने ज़्यादा प्रयास करते हैं। दिनभर खानपान से लेकर वर्कआउट का ध्यान रखते हैं, ताकि खुद को हेल्दी और फिट रख सकें। खासतौर पर हममें से कई लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान होने के बाद घंटों एक्सरसाइज़ और खानपान पर स्ट्रिक्ट रूप से ध्यान देना शुरू कर देते हैं लेकिन ऐसा करने से आपके शरीर पर कई बार विपरित असर भी पड़ता है। इसलिए एक सही डाइट की ज़रूरत होती है।

खासतौर पर अपने शरीर में मौजूद गंदगी को क्लीन करना बहुत ही ज़रूरी होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका वजन सही रहे और आप फिट और हेल्दी रहें, तो जीरा, सौंफ और धनिया से तैयार पानी का सेवन करें।

यह एक ऐसा मिश्रण है जो आपके शरीर की कई समस्याओं को कम कर सकता है। आइए जानते हैं जीरा, सौंफ, धनिया का पानी पीने से सेहत को क्या लाभ हो सकते हैं...

बॉडी को डिटॉक्स करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। रोज़ाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर में जमा गंदगी और टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। यह लिवर और किडनी को हेल्दी रखने में मदद करता।

पाचन में सुधार करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से पाचन तंत्र दुरूस्त होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से गट हेल्थ में सुधार होगा।

वजन घटाने में मददगार...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। दरअसल, इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म़ बूस्ट होता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को तेजी से बर्न करने में मदद मिलती है। इसके नियमित सेवन से धीरे-धीरे वजन कम होने लगेगा।

इम्यूनिटी बूस्ट करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से इम्यूनिटी बूस्ट हो सकती है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से आप सर्दी, जुकाम, वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाव में मदद मिल सकती है।

स्किन की परेशानियां...

जीरा, सौंफ और धनिया से तैयार पानी पीने से आपकी स्किन संबंधी परेशानियां कम हो सकती हैं। क्योंकि यह पानी आपके शरीर में हार्मोन को बैलेंस करता है। साथ ही शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर करता है, जिससे आपके चेहरे पर चमक आ सकती है।

दिल को रखे स्वस्थ...

जीरा, धनिया और सौंफ के पानी का सेवन करने से दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके नियमित सेवन से दिल की बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है।

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी कैसे बनाएं : जीरा, धनिया और सौंफ का पानी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक गिलास पानी गर्म कर लें। अब इसमें एक चम्मच जीरा, एक चम्मच धनिया और एक चम्मच सौंफ डालकर उबालें। इसे तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। उसके बाद इस पानी को एक कप में छान लें और इसका सेवन करें। या फिर आप इन तीनों चीज़ों को रातभर भिगोकर भी सुबह इसका पानी इसी विधि से बना सकते हैं। जीरा, धनिया और सौंफ का पानी स्वास्थ्य के लिए कई तरह से लाभकारी हो सकता है। हालांकि, अगर आपकी परेशानी काफी ज़्यादा बढ़ रही है तो इस स्थिति में डॉक्टर की सलाह ज़रूर लें।

एक साधारण उंगली के टेस्ट से पता कर लीजिए आपके फेफड़े में कितनी जान है

लंग्स हमारे लिए जीवन देने वाली ऑक्सीजन की छन्नी है. यह हमें शुद्ध ऑक्सीजन छानकर दे देता है और खराब वायु को बाहर निकाल देती है. अगर लंग्स मजबूत होगा तो हमें ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति होती रहेगी. लेकिन आपके फेफड़े कितने मजबूत है, यह कैसे जानेंगे. दरअसल, एक अध्ययन में कहा गया है कि इसे आप उंगली की जांच से भी जान सकते हैं. इसके लिए किसी डॉक्टर के पास भी जाने की जरूरत नहीं है. आइए जानते हैं कि इस टेस्ट को कैसे करना है.

कैसे करें इसकी जांच : मायो क्लीनिक के मुताबिक अगर आपके हाथों की उंगलियों में जरूरत से ज्यादा लचीलापन है तो यह लंग्स डिजीज के संकेत हो सकते हैं. जोड़ों में ज्यादा लचीलेपन को इहलर डानलोस सिंड्रोम (EDS) कहा जाता है. इसमें आपको 5 तरह के काम करने होते हैं. सबसे छोटी उंगलियों को 90 डिग्री पर पीछे की ओर मोड़िए, अंगूठे को अग्रभाग से छूने की कोशिश कीजिए, कोहनी और घुटनों को 10 डिग्री से ज्यादा सीधा करने की कोशिश कीजिए और अंत में बिना घुटने मोड़े हाथों की हथेलियां ज़मीन पर रखने की कोशिश कीजिए. अगर आप इन पांचों तरह के टेस्ट को कर लेते हैं तो इसका मतलब है कि आपके लंग्स में गंभीर समस्या है. वयस्कों में 5 अंक से अधिक का स्कोर होना हाइपरमोबिलिटी का संकेत है. यह EDS (एलर्स-डैनलोस सिंड्रोम) को बढ़ा देता है. एक्सपर्ट के मुताबिक जोड़ों में अत्यधिक लचीलापन एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति एलर्स-डैनलोस सिंड्रोम का संकेत हो सकते हैं. इस बीमारी में सांसों से जुड़ी बीमारियों का खतरा जटिल हो सकता है. घर पर किया गया एक सरल लचीलापन परीक्षण इस छिपे हुए जोखिम को उजागर कर सकता है. यह जांच यह समझने के लिए की जाती है कि क्या आपके ज्वाइंट सामान्य गति सीमा से परे जाकर मुड़ सकते हैं.

हालांकि ज्यादातर लोगों में यह कोई चिंता की बात नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में यह EDS एक गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है. यह रोग आपके कनेक्टिंग टिशू, स्किन, जोड़ और ब्लड वैसल्स की दीवारों को प्रभावित करता है. मायो क्लिनिक के मुताबिक इस स्थिति वाले लोगों की स्किन भी बहुत पतली, कोमल और नाजुक होती है और इसकी वजह से नुकसान उठाना पड़ता है. अगर ऐसे व्यक्ति को किसी कारण टांके लगाने की ज़रूरत पड़े तो कमजोर स्किन की वजह से टांके ठीक से नहीं टिकते और घाव जल्दी नहीं भरता. कनेक्टिंग टिशू शरीर को संरचना, मजबूती और लचीलापन देते हैं. अगर वे कमज़ोर हो जाएं तो शरीर की भरपाई की क्षमता भी घट जाती है. इस स्थिति का गंभीर रूप ब्लड वैसल्स आंतों या गर्भाशय की दीवारों को फाड़ सकता है. ऐसे मरीजों में सांस से संबंधित समस्याएं जैसे कि सांसें फूलना, गहरी सांस लेने में कठिनाई, स्लीप एपनिया, खांसी, घरघराहट और सांस लेते के दौरान दर्द की समस्या हो सकती है.

सावधान! बाजारों में 'जहरीले' तरबूजों की भरमार, खाने से पहले ऐसे करें 'असली-नकली' की पहचान

गर्मी का मौसम आ गया है और इस सीजन में गुमला के बाजारों में गर्मी सीजन का विशेष फल तरबूज बाजारों में बहुतायत रूप से देखने को मिल रहे हैं और गर्मियों के मौसम में लोग बड़े पैमाने पर तरबूज का सेवन करते हैं. साथ ही डॉक्टर भी तरबूज बड़े पैमाने पर खाने की सलाह देते हैं, क्योंकि यह हमारे शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता है व हमारे बॉडी को हाइड्रेट रखने में मदद करता है. तरबूज में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमें कई बीमारियों से बचाते हैं. चाहे बच्चे हो, युवा या बूढ़े सभी लोग तरबूज का लुफ्त उठाते हैं. लेकिन आजकल बाजारों में जो तरबूज मिल रहे हैं. वह केमिकल वाला भी हो सकता है, जो हमारे सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है. इससे आपकी जान भी जा सकती है, जानें कैसे करें इसकी पहचान।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ पंकज कुमार ने लोकल 18 को बताया कि गर्मी के मौसम में लोग बहुतायत रूप से तरबूज का सेवन करते हैं और इसके सेवन बहुत ही फायदेमंद है. यह बहुत ही शीतल प्रवृत्ति का होता है. गर्मी से राहत पाने के लिए इसका करते हैं. इसमें कई तरह के मिनरल्स, विटामिन पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को हाइड्रेट रखता है. जल स्तर को बनाए रखने में मदद करती है. साथ ही ग्लूकोस भी अच्छी मात्रा में पाई जाती है, जो नेचुरल होता है. आजकल बाजार में विभिन्न प्रकार के केमिकल भी तरबूज में मिलाए जाते हैं, जिसका प्रयोग हमारे सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है.

ऐसे में इसका पहचान करने का बहुत ही आसान तरीका है. यदि तरबूज को काटने के बाद यदि उसके रंग में कोई परिवर्तन होता है, तो ऐसे तरबूज का सेवन न करें उसमें केमिकल हो सकता है. उसमें कुछ ना कुछ केमिकल चेंज किया गया है. देखने में बहुत ज्यादा लाल रंग नजर आए, तो ऐसे तरबूज का सेवन करने से बचें. ऐसे तरबूज का सेवन करने से विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं. यहां तक कि आपके यूरिनल फंक्शन को खराब, लीवर के फंक्शन को प्रभावित कर सकता है, तो ऐसे में इसके प्रयोग से बचना चाहिए .

वहीं तरबूज का एक टुकड़ा काटकर उसे पानी में डालकर देखें. अगर पानी में लाल कलर छोड़ता है, तो समझ जाएं कि तरबूज को केमिकली रूप से पकाया गया है. केमिकल वाले तरबूज को पहचानने का एक आसान तरीका यह भी है कि तरबूज को दो भागों में काट लें, फिर कॉटन /रुई का कपड़ा लेकर लाल गूदे वाले हिस्से पर रगड़ें. अगर कपड़े का रंग लाल हो जाए तो समझ जाएं कि तरबूज में केमिकल मिला हुआ है. तरबूज को बाल्यावस्था में ही इंजेक्शन के मध्यम से या अन्य तरीके से भी केमिकल चेंज किया जा सकता है.इस प्रकार से आप इसका जांच करने के बाद सेवन करें.

किस विटामिन की कमी से रात में सोते वक्त आते हैं खरार्टे? जानकर रह जाएंगे हैरान

रात में सोते समय कई लोग तेज खर्राटे लेते हैं, जिससे उनके आसपास के लोग भी परेशान हो जाते हैं. कई बार खर्राटे की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है और इससे लोगों की नींद बार-बार टूटने लगती है. रात में सोते समय खर्राटे आना एक कॉमन समस्या है, जिससे कई कारण हो सकते हैं. आमतौर पर लोग खर्राटे की परेशानी को थकान, मोटापा या उम्र से जोड़कर देखते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि विटामिन-डी की कमी भी इस परेशानी का कारण हो सकती है. विटामिन डी की कमी शरीर में मांसपेशियों की कमजोरी, सूजन और सांस की नली में रुकावट जैसी समस्याएं हो सकती है.

यूएस के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन की रिपोर्ट के मुताबिक विटामिन D की कमी और खर्राटों का सीधा संबंध होता है. यूएस के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन की रिपोर्ट के मुताबिक विटामिन-डी की कमी और खर्राटों का सीधा संबंध होता है. विटामिन डी का सीधा संबंध हमारी मांसपेशियों और इम्यून सिस्टम से होता है. जब शरीर में इसकी मात्रा कम हो जाती है, तो मांसपेशियां खासकर गले और गर्दन के आसपास की मांसपेशियां कमजोर पड़ने लगती हैं. इससे जब हम सोते हैं तो गले की मांसपेशियां ठीक से खुली नहीं रहतीं और वायुमार्ग संकुचित हो जाता है, जिससे सांस लेने में रुकावट आती है और खर्राटों की स्थिति पैदा हो जाती है. यही कारण है कि विटामिन डी की कमी को खर्राटों की वजह माना जाता है.

कई रिसर्च में पता चला है कि जिन लोगों में विटामिन डी की कमी होती है, उन्हें नींद न आने की समस्याएं होती हैं. विटामिन डी की कमी से शरीर में सूजन बढ़ती है, जिससे सांस नली में सूजन आ सकती है और वायुमार्ग बाधित हो सकता है. खर्राटों की समस्या विशेष रूप से उन लोगों में ज्यादा देखी गई है जो धूप से बचते हैं. अगर आप रात में खर्राटे लेते हैं और अन्य संभावित कारण नजर नहीं आ रहे हैं, तो विटामिन डी की जांच करवा सकते हैं. अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी न हो, तो खर्राटों की समस्या के सटीक कारणों का पता लगाएं और उसका प्रॉपर ट्रीटमेंट करवाएं.

अगर परमाणु बम फटे तो क्या होगा परिणाम, रेडिएशन का सेहत पर असर? कैसे करें खुद का बचाव

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध का सिलसिला जारी है. भारत की तरफ से सिर्फ आतंकी ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, लेकिन पाकिस्तान भारत के रिहायशी क्षेत्रों में भी रॉकेट लॉन्चर, मिसाइलों से हमला करने का प्रयास कर रहा है. हालांकि, उसके सारे प्रयास भारतीय आर्मी नाकामयाब करने में सफल साबित हो रही है. भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान के हर हमलों का मुंह तोड़ जवाब दिया है.वैसे, किसी भी युद्ध का अंजाम और उसका असर उस देश के लोगों पर नकारात्मक रूप से न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी होता है. इस समय लोग दहशत के माहौल में जी रहे हैं. वहीं, पाकिस्तान द्वारा परमाणु हमले की धमकी देने के बाद ही भारत ने इतना बड़ा कदम उठाया. 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अब तक कई पाकिस्तानी आतंकवादियों और उनके संगठनों के ठिकानों को नष्ट किया जा चुका है.

क्या हो अगर परमाणु हमला किया जाए : परमाणु बम से हमला करना बेहद ही खतरनाक होता है. आपने किताबों में भी सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बारे में पढ़ा होगा, जब जापान में हिरोशिमा, नागासाकी पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम से अटैक किया गया था. इससे जो विस्फोट हुआ था , उससे निकलने वाले रेडिएशन से लाखों लोगों की जान चली गई थी. रेडिएशन का असर इतना भायवह होता है कि सेहत पर इसका वर्षों असर होता है. ऐसे में अगर ऐसी परिस्थिति बन जाती है कि परमाणु अटैक करने की नौबत आ जाए तो इसके नकारात्मक असर से कैसे बचा जा सकता है?

परमाणु बम के सेहत पर होने वाले साइड एफेक्ट्स : परमाणु बम से कई तरह के नकारात्मक प्रभाव इंसानों को हो सकता है. इसमें मृत्यु तत्काल होती है. साथ ही शरीर पर कई तरह की गंभीर चोट, विकिरण (radiation), लॉन्ग टर्म हेल्थ संबंधित समस्याएं होती हैं. जब परमाणु बम विस्फोट करता है तो उससे निकलने वाले विकिरण के संपर्क में आने से बल्ड सेल्स में कमी, उल्टी, डायरिया, हेयर फॉल, कैंसर, बांझपन, बच्चों में जन्मदोष जैसे गंभीर लक्षण देखे जा सकते हैं. सांस संबंधित समस्याएं, हार्ट डिजीज, कान, आंख को नुकसान भी हो सकता है.इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान होता है, जिसका नेगेटिव असर इंसानों की सेहत पर वर्षों कई तरह के जोखिम पैदा करते रहते हैं. विस्फोट से गर्मी बढ़ती है, रेडिएशन के कारण त्वचा के जलने, क्षतिग्रस्त होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है.

परमाणु बम के रेडिएशन से बचाव के तरीके : वैसे तो फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं कि परमाणु बम से हमला किया जाए, लेकिन भिवष्य में ऐसी स्थिति आती भी है तो रेडिएशन के प्रभाव से आप खुद को किसी तरह से बचा सकते हैं, ये जानना जरूरी है. हालांकि, जिस एरिया में परमाणु बम फेंका जाता है, वहां तो काफी दूर-दूर तक जान बचने की उम्मीद नहीं होती, लेकिन दूर के इलाकों में रहने वाले इस रेडिएशन के प्रभाव से बचने के लिए कुछ उपाय जरूर ट्राई कर सकते हैं, ताकि सेहत को कोई नुकसान न हो.

– आप जिस जगह भी रहते हों, अगर परमाणु अटैक होता भी है और आप उसमें भगवान की दुआ से बच जाते हैं तो बेहद जरूरी है खुद को रेडिएशन के असर से बचाना. रेडिएशन फैलने के कारण किसी सेफ जगह पर ही छिपे रहने की कोशिश करें.

– कोई ऐसी जगह हो जो ठंडी और बंद हो. यहां से एक-दो दिनों तक बाहर निकलने का प्रयास न करें.

– कई बार हवा में रेडिएशन के कण फैलते हैं, जो आपके कपड़ों में भी चिपक सकते हैं. ऐसे में कपड़े को तुरंत उतार कर कहीं बॉक्स, प्लास्टिक बैग में डालकर रख दें. आप अपने घर के सदस्यों और पेट्स से भी इसे दूर छिपाकर रखें.

-रेडिएशन से निकलने वाले छोटे कण आपके बाल, खुले शरीर के भाग में चिपक सकते हैं. ऐसे में आप तुरंत स्नान कर लें. भले आप उस स्थान पर न हों, जहां बम से भारी तबाही हुई हो, लेकिन उसका असर वातावरण में दूर तक होता है. बेहतर है कि आप घर में रहें और स्नान कर लें. त्वचा को बहुत अधिक रगड़े नहीं.

रोहित शर्मा ने लिया संन्यास, भावुक हुआ टीम इंडिया का स्टार

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया. किसी ने सोचा भी नहीं था कि रोहित शर्मा इसी साल संन्यास का ऐलान कर देंगे. इस बीच भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने भी रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर कुछ कहा. उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा से मिली सीख को वह जिंदगी भर याद रखेंगे.

रोहित ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से एक महीने पहले बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया. भारत के अगले टेस्ट कप्तान बनने के प्रबल दावेदार गिल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रोहित अपनी टीम और विरोधी खिलाड़ियों के लिये भी प्रेरणास्रोत रहे हैं. गिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,'' एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर टेस्ट में आपने जो कुछ भी किया है, भारत उसके लिये शुक्रगुजार है.''

उन्होंने कहा ,'' आप मेरे और उन सभी के लिये प्रेरणास्रोत हैं जिन्होंने आपके साथ या आपके खिलाफ खेला है . मैने आपसे बहुत कुछ सीखा है और हमेशा उसे याद रखूंगा. रिटायरमेंट की शुभकामनायें . आप सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहे हो. धन्यवाद कप्तान''

बता दें कि रोहित शर्मा के जाने के बाद शुभमन गिल को बीसीसीआई टेस्ट टीम की कमान दे सकता है. शुभमन गिल ओपनिंग में भी उनकी जगह ले सकते हैं. तीन नाम ऋषभ पंत, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर पर हो चर्चा हो रही है कि इनमें से कोई टीम इंडिया के अगले टेस्ट कप्तान हो सकते हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई किसे टीम की कप्तानी सौंपते हैं.मदर डेयरी का कहना है कि उसने किसानों और ग्राहकों दोनों का ध्यान रखा है।

टूट गई है पाकिस्तान की कमर... कोई नहीं है साथ, असीम मुनीर कैसे बना मुल्क का सबसे बड़ा विलेन?

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत से टकराकर पाकिस्तान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। वह गंभीर आर्थिक संकट में आ गया है। कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान अपने पतन के कगार पर है। इन सबके लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर है। आतंकियों को उकसाने की उसकी पॉलिसी का खामियाजा आज आम पाकिस्तानी झेल रहा है। मुनीर ने अपने निजी हितों के लिए पाकिस्तान को दांव पर लगा दिया है। वह मुल्का सबसे बड़ा विलेन बनकर उभरा है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है। इससे आयात के लिए भुगतान करना मुश्किल हो रहा है। महंगाई आसमान छूने लगी है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं। आम नागरिकों के लिए जीवन

यापन करना मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने वाली सहायता भी पर्याप्त नहीं है। एयरस्पेस बंद होने की वजह से व्यापार में भारी नुकसान हुआ है। उसका विदेशी मुद्रा भंडार 15 अरब डॉलर के आसपास बताया जा रहा है। रेटिंग एजेंसियों ने पाकिस्तान की सॉवरेन रेटिंग घटाने के संकेत दिए हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा कम हो रहा है।

मुनीर पर उठने लगे हैं सवाल : राजनीतिक अस्थिरता और आंतरिक संघर्ष आर्थिक संकट को और बढ़ा रहे हैं। सेना प्रमुख असीम मुनीर की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कई लोग मुनीर को ही इस संकट के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। यही नहीं, पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है। इस तनाव के कारण पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया है। इससे पाकिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था और भी खराब हो गई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगने से भी स्थिति गंभीर हुई है।

डिफॉल्ट होने से बाल-बाल बच चुका है पाकिस्तान

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पास 15 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। जबकि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 688 अरब डॉलर से ज्यादा है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही मुश्किल में है।

2022 में कर्ज चुकाने में चूक होने से वह बाल-बाल बचा था। IMF ने इस साल मार्च में 2 अरब डॉलर का बेलआउट दिया था। इससे पाकिस्तान को कुछ समय के लिए राहत मिली थी। लेकिन, हालिया तनाव और युद्ध जैसी स्थिति से सारी प्रगति खतरे में पड़ गई है।

कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से बचने का फैसला किया है। वे किसी भी दुर्घटना से बचना चाहती हैं। वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के इक्विटी रणनीतिकार क्रांति बाथिनी ने इंडिया टुडे को बताया कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अच्छी नहीं चल रही है। तमाम वैश्विक एजेंसियों का पाकिस्तान पर कर्ज है।

उन्होंने आगे कहा, 'भू-राजनीतिक तनाव में कोई भी बढ़ोतरी निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था पर अधिक दबाव डालेगी। मूडीज ने भी कहा है कि पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की आक्रामकता उसकी आर्थिक स्थिति को और खराब कर देगी।'

शुक्रिया हमारी सुरक्षा के लिए... सानिया मिर्जा ने भारतीय सेना को किया सलाम, शोएब मलिक को लगेगी मिर्ची

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत की पूर्व टेनिस सनसनी सानिया मिर्जा ने देश के आर्म्ड फोर्स को सलाम किया है। सानिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भारतीय सेना के सपोर्ट में एक स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में सानिया ने देश बहादुर जवानों को शुक्रिया कहा है। सानिया ने अपने इस इंस्टा स्टोरी में लिखा, 'अपनी जान की बाजी लगाकर हमें प्रोटेक्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं आपके लिए दुआ करती हूं। सभी नागरिकों के लिए भी मैं दुआ करती हूं।' सानिया ने अपने इस इंस्टा स्टोरी के साथ भारतीय तिरंगे की तस्वीर को भी शेयर किया है। सानिया मिर्जा के इस रिएक्शन से पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक को जरूर मिर्ची लगेगी। सानिया मिर्जा शोएब मलिक की एक्स वाइफ हैं। सानिया और शोएब साल

भारत की पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने अपने सोशल मीडिया पर आर्म्ड फोर्स को सलाम किया है। देश की सुरक्षा के लिए सानिया मिर्जा ने भारतीय सेना को शुक्रिया कहा है। इसके साथ सबसे देशवासियों के लिए दुआ करने की भी अपील की है।

2024 में एक दूसरे से अलग हुए थे। बता तें कि पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में रोष फूट पड़ा है। इस घटना में 26 निर्दोष टूरिस्टों की जान चली गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी अड्डे हुए तबाह : पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 ऐसे ठिकानों को अपना निशाना बनाया जहां आतंकियों को ट्रेनिंग दी जाती थी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर से मची तबाही के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद से ही दोनों देशों के बीच अघोषित युद्ध शुरू हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तानी सेना भी भारत पर आंख दिखाने की हिमाकत की, लेकिन भारतीय सेना से उसे बुरी तरह से परास्त कर दिया।

गुरुवार, 8 मई को पाकिस्तान की तरफ से सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन से हमले की कोशिश की गई, जिसे भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया। इस घटना के कारण सीमा से लगे क्षेत्रों में आपातकाल जैसा माहौल है, लेकिन भारतीय सेना पाकिस्तान को लगातार मुंहतोड़ जवाब देकर उसके नापाक इरादों को मिट्टी मिलाने का काम कर रहे हैं।

कैश, एटीएम, यूपीआई... पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच सीतारमण का बैंकों को अलर्ट रहने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से सतर्क रहने और ग्राहकों के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को कहा है।

साइबर सुरक्षा तैयारियों पर बैंकों और बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक में शुक्रवार को वित्त मंत्री ने चुनौतीपूर्ण समय में आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकिंग सेवाएं बिना किसी व्यवधान और गड़बड़ियों के काम करनी चाहिए। इसमें बैंकों की शाखाएं और

डिजिटल बैंक दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए बैंकों को आपातकालीन प्रोटोकॉल को उन्नत करने के साथ उसका परीक्षण करना चाहिए। वित्त मंत्री ने बैंकों को सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूद शाखाओं में कार्यरत बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को भी कहा।

पर्याप्त कैश की व्यवस्था : उन्होंने बैंकों से कहा कि आम लोगों और बिजनेस को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। एटीएम में पर्याप्त कैश होना, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा बिना किसी दिक्कत के चलती रहना और जरूरी बैंकिंग सुविधाओं का मिलना, सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मीटिंग में वित्त मंत्री ने कामकाज और साइबर सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लिया।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीतारमण ने बैंकों को सुरक्षा एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय करके उनकी पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

बैठक में बैंकों और बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के अलावा वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), आरबीआई, आईआरडीएआई और एनपीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिरकत की।

कर्नल सोफिया कुरेशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और लिखी दो लाइन... पाकिस्तान को भारत की बेटी सानिया मिर्जा का ये पैगाम

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत की मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने सोशल मीडिया पर एक खास संदेश दिया है। यह संदेश 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दो महिला अफसरों द्वारा मीडिया को जानकारी देने के बाद आया है। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ मीडिया के सामने आईं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बताया। यह ऑपरेशन भारतीय सेना और वायु सेना ने मिलकर किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। सानिया मिर्जा ने अलग-अलग धर्मों की दो महिला अफसरों द्वारा जानकारी देने पर खुशी जताई है।

सानिया मिर्जा ने पत्रकार फेय डिसूजा के पोस्ट को शेयर किया। फेय डिसूजा ने कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका द्वारा दी गई जानकारी पर अपनी राय लिखी थी। डिसूजा ने लिखा था- इस ताकतवर तस्वीर में जो

संदेश है, वह दिखाता है कि हम एक देश के तौर पर कैसे हैं। सानिया मिर्जा ने इस पोस्ट को शेयर किया। सानिया मिर्जा, जिनकी उम्र 38 साल है, भारत की सबसे बेहतरीन टेनिस खिलाड़ियों में से एक मानी जाती हैं। उन्होंने टेनिस में छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। 2015 में सानिया मिर्जा दुनिया की नंबर 1 डबल खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी, जो अब टूट चुकी है। सानिया मिर्जा का संदेश इस बात को दिखाता है कि वह देश की सुरक्षा और तरक्की में महिलाओं की भूमिका को कितना महत्व देती हैं। उन्होंने फेय डिसूजा के पोस्ट को शेयर करके यह भी बताया कि भारत एक ऐसा देश है जहां अलग-अलग धर्मों के लोग मिलकर रहते हैं और काम करते हैं।

विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दिया ऑपरेशन सिंदूर पर अपडेट

नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भी थीं। मिसरी ने बताया कि यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम, जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकी हमले का जवाब था। उन्होंने कहा कि यह जवाब सही और उचित था। उस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। कई लोग घायल भी हुए थे। भारत ने इस हमले का आरोप पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों पर लगाया था।

कर्नल कुरैशी की दहाड़, बोलीं- दशकों से पाकिस्तान आतंक को दे रहा बढ़ावा

कर्नल कुरैशी ने कहा कि इस ऑपरेशन से रणनीति में बदलाव आया है। उन्होंने कहा- पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान, इदव्ख और पाकिस्तान में आतंकी ढांचे बना रहा है। इनमें भर्ती केंद्र, ट्रेनिंग क्षेत्र और लॉन्च पैड शामिल हैं। इस ऑपरेशन का मकसद उन ठिकानों को खत्म करना और भविष्य में होने वाले हमलों को रोकना था। मिसाइल हमलों में मुजफ्फराबाद, कोटली, बहावलपुर, रावलकोट, चक्सवारी, भीमबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल में मौजूद ठिकानों को निशाना बनाया गया।

17 साल बाद पाकिस्तान को मिला गहरा जख्म, ऑपरेशन सिंदूर से पड़ोसी देश के शेयर बाजार में मच गई खलबली

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत की ओर से पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हुए हमले के बाद से पाकिस्तानी शेयर मार्केट औंधे मुंह गिर गई है। दो दिन में कराची स्टॉक एक्सचेंज (KSE-100) में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ गई है। वहीं आज गुरुवार को KSE-100 में गिरावट का नया रेकॉर्ड बना दिया। आज KSE-100 कारोबार के दौरान 9 फीसदी तक की गिरावट आ गई। पाकिस्तानी शेयर मार्केट में यह साल 2008 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है। स्थिति यह हो गई थी कि आज कारोबार के दौरान पाकिस्तानी शेयर मार्केट में कुछ देर के लिए कारोबार रोकना पड़ गया।

KSE-100 इंडेक्स पिछले चार दिनों में 9.7% नीचे आ गया है। भारत के साथ बढ़ते तनाव के कारण निवेशकों में डर का माहौल है और वे तेजी से शेयर बेच रहे हैं। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को एक घंटे के लिए ट्रेडिंग रोक दी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बेंचमार्क इंडेक्स 6.3% गिर गया था। एक्सचेंज ने इसकी जानकारी दी।

शेयरों में भारी बिक्री : गुरुवार को पाकिस्तानी शेयरों की भारी बिक्री हुई। इससे पहले बुधवार को भी KSE-100 में 6,500 अंकों की बड़ी गिरावट आई थी। बुधवार को बाजार खुलते ही शेयर तेजी से गिरे और 3.1इ नीचे बंद हुए। यह गिरावट तब शुरू हुई जब भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। यह कार्रवाई अप्रैल के अंत में भारतीय कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

बॉन्ड पर भी पड़ा असर : KSE-100 इंडेक्स में आई गिरावट का असर पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड बाजार पर भी पड़ा। साल 2036 में मैच्योर होने वाले बॉन्ड की कीमत सबसे ज्यादा गिरी। Tradeweb के आंकड़ों के अनुसार, यह 1 सेंट से ज्यादा गिर गया है।

पहले भी रोकी गई ट्रेडिंग

इस महीने पहले भी ऐसा ही हुआ था। तब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार शुल्क की घोषणा की थी, जिसके बाद पाकिस्तान के बाजार में 8,700 अंकों की गिरावट आई थी और ट्रेडिंग रोकनी पड़ी थी। जानकारों का कहना है कि भारत पाकिस्तान की इस लड़ाई का पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था और निवेशकों की भावनाओं पर बुरा असर पड़ेगा।

देश भर में पेट्रोल-डीजल एलपीजी सिलेंडरों की कमी नहीं, जमाखोरी नहीं करें, जानें किसने कहा

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई।। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच एक सुकूनदेह खबर आई है। पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने वाली सरकारी ऑयल कंपनियों, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने ज़रूरी जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और LPG गैस का पर्याप्त भंडार है। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है।

क्या कहा कंपनियों ने : कंपनियों ने लोगों से कहा है कि वे घबराकर ज्यादा खरीदारी न करें। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे भारत में सप्लाई चेन ठीक से काम कर रही है। सप्लाई चेन में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। इंडियन ऑयल देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों को भरोसा दिलाया कि ईंधन की कोई कमी नहीं है।

एक्स पर लिखा : कंपनी ने X पर लिखा, 'इंडियन ऑयल आपको विश्वास दिलाना चाहता है कि देश भर में पेट्रोल, डीजल और LPG की पर्याप्त उपलब्धता है। हमारी सप्लाई चेन सुचारू रूप से चल रही है, और सभी खुदरा दुकानों पर पर्याप्त ईंधन और LPG है।'

जमाखोरी नहीं करें : कंपनी ने लोगों से यह भी कहा कि वे डरकर सामान जमा न करें। उन्होंने कहा, 'शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ से बचकर, हम सभी के लिए ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित कर सकते हैं।' इसका मतलब है कि अगर आप शांति बनाए रखेंगे, तो सबको आसानी से तेल मिलता रहेगा।

बीपीसील ने भी दिलाया भरोसा : BPCL भी इसी तरह की बात कह रही है। यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी तेल कंपनी है। उन्होंने कहा कि उनके पेट्रोल पंप और LPG डीलरशिप बिना किसी रुकावट के पूरे देश में काम कर रहे हैं। BPCL ने एक बयान में कहा, 'चिंता या घबराहट में खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारी सप्लाई चेन मजबूत और कुशल है, जिससे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होती है।' इसका मतलब है कि तेल की सप्लाई में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि BPCL हर समय लोगों को ऊर्जा देने के लिए तैयार है, चाहे हालात कैसे भी हों।

बढ़ गई है सैन्य गतिविधियां : यह सब तब हो रहा है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य गतिविधियां बढ़ गई हैं। 7 मई को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। भारत ने किसी भी आम नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। लेकिन पाकिस्तान ने ड्रोन और दूसरे हथियारों से भारत पर हमला करने की कोशिश की है। खासकर पश्चिमी सीमा और LoC (लाइन ऑफ कंट्रोल) पर।

दिल्ली में 1,530 करोड़ रुपये में बिकी रेलवे की जमीन, किसने खरीदी, क्या है प्लान? जानिए सबकुछ

एजेंसी

नई दिल्ली।। बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनी बागमने ग्रुप ने दिल्ली के द्वारका सेक्टर 21 में रेलवे की एक जमीन खरीदी है। यह जमीन 124,000 वर्ग मीटर में फैली है। कंपनी ने इसके लिए 1,530 करोड़ रुपये दिए हैं। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) ने 2023 में ही बागमने की बोली को स्वीकार कर लिया था। लेकिन जमीन पर लगे पेड़ों को हटाने की वजह से यह सौदा अटक गया था। अब कंपनी ने दिल्ली में ही पेड़ों को दूसरी जगह लगाने के लिए जमीन ढूंढ ली है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। खरीदी गई जमीन का इस्तेमाल रेजिडेंशिल (55%) और कमर्शियल (45%) डेवलपमेंट के लिए किया जा सकता है। इस जमीन के पास ही एक नया रेलवे स्टेशन बन रहा है। इससे इस इलाके में लोगों की आवाजाही बहुत बढ़ जाएगी।

दिल्ली-NCR में प्रॉपर्टी बाजार हमेशा से ही निवेशकों को पसंद रहा है। यहां घर खरीदने की मांग हमेशा ज्यादा रहती है। इसलिए कई बड़ी कंपनियों ने जमीन खरीदी है। सिर्फ मकान ही नहीं, दुकानें, ऑफिस, फैक्ट्रियां और गोदाम बनाने के लिए भी जमीन की खूब मांग है। रियल एस्टेट कंपनी CBRE के चेयरमैन और CEO अंशुमन मैगजीन ने कहा कि इस डील से पता चलता है कि निवेशकों का भरोसा इस सेक्टर में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह तेजी 2025 में मजबूत होगी। इससे भारत दुनिया में प्रॉपर्टी के लिए सबसे अच्छी जगह बना रहेगा।'

बागमने ग्रुप प्रोफाइल : बागमने ग्रुप एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। यह टेक्नोलॉजी पार्क और ऑफिस बनाने में एक्सपर्ट है। कंपनी के पास अभी 18 मिलियन वर्ग फीट से ज्यादा की प्रॉपर्टी है। इसके अलावा, 10-15 मिलियन वर्ग फीट की प्रॉपर्टी बनाने की योजना चल रही है। बागमने ग्रुप बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली जैसे शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है।

जनखबर
RNI No. DELHIN/2013/52747
संपादक : एस.एन. गुप्ता
मुख्य कार्यालय
J-23A, लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट, नई दिल्ली-24
मोबाईल : 9810683954
Email:jankhabarnews@gmail.com
स्वत्वाधिकारी स्वामी एस.एन. गुप्ता के लिए प्रकाशक और मुद्रक पंकज संधू द्वारा मारूति नंदन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स ए-15, बड़ा बाग, जी.टी. कर्नाल रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित एवं जे-23ए, लाजपत नगर-II नई दिल्ली-110024 से प्रकाशित

'तब मेरी उम्र 19 की थी और मैं घबराई हुई थी लेकिन...' अनन्या पांडे बोली, और भारतीय सेना के लिए लिखी ये बात

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद भारतवासी अपनी सेना के साथ खड़े हैं और लगातार उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहे हैं. पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया है. जिस तरह से भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से छोड़े गए ड्रोन और मिसाइल को रोका है, उसे लेकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है. कई बॉलीवुड सेलेब्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। इसी बीच अनन्या पांडे ने भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम करते हुए पोस्ट शेयर किया है.

अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के हीरोज को सलाम. आप और आपके परिवारों को दिल से धन्यवाद, आपके बेमिसाल हिम्मत के लिए. हम आपके कर्जदार हैं.

अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के हीरोज को सलाम. आप और आपके परिवारों को दिल से धन्यवाद, आपके बेमिसाल हिम्मत के लिए. हम आपके कर्जदार हैं. जय हिंद!'

बता दें कि अनन्या को हिंदी सिनेमा में 6 साल पूरे हो गए हैं. इस मौके पर एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता.

अनन्या ने कहा, 'मैं जब करियर शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी. मैं बहुत घबराई हुई थी, लेकिन सपनों से भी भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी. मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं. हालांकि तब अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी.'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'अब, मुझे लगता है कि मैं खुद को एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती. मैं अब भी सीख रही हूं. खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं.' उन्होंने कहा, 'मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं.'

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के बाद वह 'पति पत्नी और वो', 'खाली पीली', 'गहराइयां', 'लाइगर', 'ड्रीम गर्ल 2', 'खो गए हम कहां', जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं. उन्होंने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में कैमियो भी किया. फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज 'कॉल मी बे' के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं.

मिस वर्ल्ड के जज बनेंगे सोनू सूद, इंटरनेशनल मंच पर एक्टर को मिलेगा ये खास सम्मान

सोनू सूद लोगों की मदद के लिए हमेश तत्पर रहते हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने सामाजिक कार्यों से लोगों पर प्रभाव डाला है. कोरोना काल के दौरान एक्टर ने देशभर में लोगों की मदद की थी. सोनू सूद इस साल हैदराबाद में होने वाले मिस वर्ल्ड के ग्रैंड फिनाले में बतौर जज नजर आने वाले हैं.

31 मई, 2025 को हाईटेक सिटी हैदराबाद में मिस वर्ल्ड का फाइनल है और इस इवेंट में एक्टर को उनके मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड दिया जाएगा. सोनू सूद को HITEX एरिना में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा.

कोरोना काल के दौरान से सोनू सूद ने अपनी फाउंडेशन सूद चैरिटी के माध्यम से देशभर में लोगों की मदद की और आज भी वो सोशल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़े रहते हैं. एक्टर ने अपनी चैरिटी के जरिए लाखों लोगों की जिंदगी पर प्रभाव डाला है. उन्होंने हेल्थ एड, शिक्षा और कोरोना काल के दौरान लोगों को राहत उपलब्ध कराई थी.

क्या होता है ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड : ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड एक बेहद प्रतिष्ठित सम्मान है, जो उन लोगों को दिया जाता है जो समाज के प्रति अतुलनीय योगदान देते हैं. कोरोना काल के दौरान सोनू सूद के राहत कार्यों को देश ही नहीं पूरी दुनिया ने सराहा था. अब एक्टर को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर ये अवॉर्ड मिलने जा रहा है जिसके बाद से उनके फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है.

सोनू सूद ने अवॉर्ड के ऐलान के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए बयान दिया. एक्टर ने मिस वर्ल्ड के ऑफिशियल मीडिया पार्टनर अल्टेयर मीडिया द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन से ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड प्राप्त करना बहुत ही विनम्र अनुभव है. यह हमारे प्रयासों के पीछे के उद्देश्य को मजबूत करता है – जरूरतमंदों को आशा, समर्थन और गरिमा प्रदान करना.

मैं इस मान्यता को हर वॉलंटियर, सपोर्टर और उन सभी के साथ साझा करता हूं जिनके जीवन को हमने सूद चैरिटी फाउंडेशन के माध्यम से छुआ है. मुझे यह घोषणा करते हुए भी गर्व हो रहा है कि मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन और सूद चैरिटी फाउंडेशन ने कैंसर मुक्त दुनिया के लिए जागरूकता फैलाने के लिए एक साथ काम करने का निर्णय लिया है. यह साझा प्रतिबद्धता संदेश को बढ़ाने और दुनिया भर में लाखों लोगों को आशा देने में मदद करेगी'.

'ये बेइज्जती बर्दाश्त नहीं...' सोनू निगम को माफी के बाद भी नहीं मिली राहत

सोनू निगम को कुछ समय पहले ही बेंगलुरु में हुए उनके कॉन्सर्ट के बाद से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से विरोध का सामना करना पड़ रहा है. सिंगर ने अपने कॉन्सर्ट के दौरान कन्नड़ भाषा पर एक विवादित टिप्पणी कर डाली थी जिसके बाद से कर्नाटक के लोगों के साथ ही कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के लोगों ने भी सोनू को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ा. बढ़ते विवाद को देखकर सोनू निगम ने माफी भी मांग ली थी, लेकिन इसके बावजूद उनकी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं.

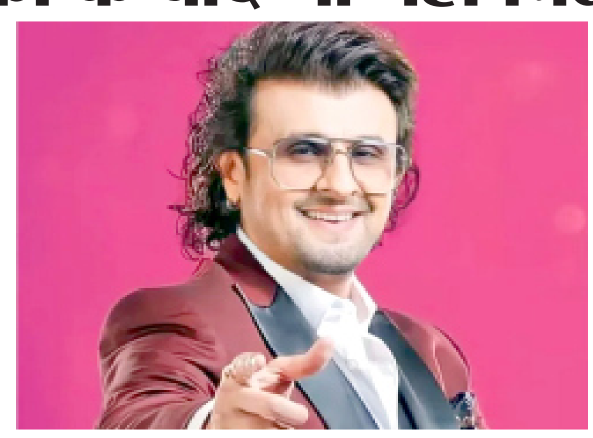

इस विवाद के बीच कन्नड़ फिल्ममेकर्स ने बड़ा कदम उठाते हुए सिंगर को एक और झटका दे दिया है. उनके गाने को अपकमिंग कन्नड़ फिल्म 'कुलदल्लि कील्यावुडो' से हटा दिया गया है. फिल्म निर्माताओं ने पुष्टि की है कि सिंगर का गाना 'मनसु हाडतादे' फिल्म से हटा दिया गया है. इस गाने का निर्देशन के रामनारायण ने किया था, संगीत मनोमूर्ति ने दिया था और गीत योगराज भट ने लिखे थे. विवाद से पहले यह गाना काफी चर्चा में था.

फिल्ममेकर्स ने सोनू निगम पर अपनाया कड़ा रुख : फिल्म निर्माताओं ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया, 'इसमें कोई शक नहीं कि सोनू निगम एक अच्छे गायक हैं. लेकिन, हम उनके द्वारा हाल ही में एक कॉन्सर्ट में कन्नड़ के बारे में की गई टिप्पणी से बहुत नाराज हैं. हम कन्नड़ का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते, इसलिए हमने गाना हटा दिया है.' सोनू निगम की आवाज में गाना हटाने के बाद अब मेकर्स कन्नड़ गायक चेतन को ये गाना गाने के लिए लाए हैं. फिल्म के निर्माता संतोष कुमार ने भी घोषणा की है कि वह भविष्य में सोनू निगम के साथ काम नहीं करेंगे.

सिंगर को मांगनी पड़ी थी माफी : इस बीच, सोनू निगम ने बेंगलुरु में हाल ही में की गई टिप्पणियों पर विवाद के बाद ऑफिशियल बयान जारी कर सफाई दी. यह विवाद 25 अप्रैल, 2025 को ईस्ट पॉइंट कॉलेज में एक घटना से उत्पन्न हुआ, जहां एक प्रशंसक द्वारा कन्नड़ गाने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए निगम ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया.

'भारत में काम मांगने मत आ जाना', अविनाश मिश्रा की माहिरा खान को चेतावनी

एक्टर और 'बिग बॉस 18' के कंटेस्टेंट अविनाश मिश्रा ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस महिरा खान पर 'भारत विरोधी' करने के लिए जमकर निशाना साधा. माहिरा ने ये कमेंट ऑपरेशन सिंदूर के बाद किया था. अविनाश ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच कुछ भारतीय सेलेब्स की चुप्पी पर भी निशाना साधा है. अविनाश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माहिरा खान के इंस्टाग्राम पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया और उन्हें खुलकर लताड़ा. गुस्से में लिखे पोस्ट में, उन्होंने भारत का बचाव किया और माहिरा को भारत में काम मांगने से मना किया.

अविनाश मिश्रा ने लिखा, 'ओ माहिरा, सबूत देख रखा है, तुम्हें दोष देने की जरूरत नहीं है हमें, सबूत पूरे विश्व ने देख लिया है. बस अब माहौल ठीक होने के बाद हमारे भारत में काम मांगने मत आ जाना. लेकिन अपने देश की साइड लेने के लिए शाबाशी.

यहां कुछ सेलेब्स अपने फॉलोअर्स और रीच के चक्कर में गद्दार बने हुए हैं.'

अविनाशा मिश्रा ने आगे लिखा, 'लेकिन चिंता मत करो, बाद में उनका भी नंबर आएगा.' इससे पहले, माहिरा खान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद 7 मई को सुबह 1.44 बजे एक लंबा नोट लिखा जिसमें उन्होंने भारत को शेमलेस कहा था. बता दें, भारत में महिरा खान, फवाद खान और हानिया आमिर अन्य पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में इंस्टा अकाउंट सस्पेंड हैं.

माहिरा खान ने पाकिस्तानी होने पर जताया प्राउड : माहिरा खान ने अपनी पोस्ट में लिखा था,'मैं आभारी हूं कि मैं एक ऐसे देश में रहती हूं जहां मुझे यह नहीं बताया जाता कि मुझे क्या कहना है. मेरे पास एक आवाज है और मैं इसका यूज कर सकती हूं. हम अपने देश में अन्याय के खिलाफ बोलते हैं और जहां भी हिंसा होती है उसकी निंदा करते हैं, भले ही मेरे देश पाकिस्तान को बिना किसी सबूत के तुरंत दोषी ठहराया जाए.'

माहिरा खान का फूटा था भारत पर गुस्सा : माहिरा खान ने आगे लिखा, 'भारत, तुम्हारा युद्ध और नफरत का प्रचार कई वर्षों से जारी है. मैंने इसे अपनी आंखों से देखा और महसूस किया है. तुम्हारा मीडिया विभाजन की आग को भड़काता है. तुम्हारी सबसे शक्तिशाली आवाजें नरसंहार और युद्ध अपराधों के सामने चुप रहती हैं – कानून से नहीं, बल्कि डर से. और उस डर में, तुम जीत का दावा करते हो. लेकिन मेरे लिए, वह चुप्पी तुम्हारी सबसे बड़ी हार है. तुम रात के बीच में शहरों पर हमला करते हो और इसे जीत कहते हो? शर्म आनी चाहिए. मेरा पाकिस्तान, मैं तुमसे प्यार करती हूं. हम सही काम करें. '

जब प्रेग्नेंट थीं हेमा मालिनी, धर्मेंद्र ने चोरी-छुपे बुक किए 1 अस्पताल के 100 कमरे, करीबी सहेली ने किया था खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज जोड़ी धर्मेंद्र और हेमा मालिनी हमेशा अपनी केमिस्ट्री से फैंस को प्रभावित करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार धर्मेंद्र ने अपनी पत्नी हेमा मालिनी की पहली प्रेग्नेंसी को सीक्रेट बनाए रखने के लिए चौंकाने वाले कदम उठाए थे?

हां, आपने सही पढ़ा, उन्होंने हेमा मालिनी की प्रेग्नेंसी सीक्रेट रखने के लिए अस्पताल में 100 कमरे बुक करवा दिए थे. इस सच्चाई का खुलासा हेमा मालिनी की करीबी दोस्त, नीतू कोहली ने शो 'जीना इसी का नाम है' में किया था.

बाद में, इंडिया टुडे ने भी बताया कि नीतू कोहली ने कहा कि धर्मेंद्र ने ईशा देओल के जन्म से पहले नर्सिंग होम के सभी 100 कमरे चुपचाप बुक करवा दिए थे. नीतू ने कहा था, 'किसी को भी पता नहीं था कि हेमा प्रेग्नेंट हैं. धरमजी ने चुपचाप अस्पताल के सभी कमरे बुक करवा दिए ताकि उन्हें पूरी शांति और प्राइवेसी मिल सके. यह उनकी पत्नी और उनके अजन्मे बच्चे की सुरक्षा का तरीका था.'

1980 में शादी के बंधन में बंधे हेमा मालिनी और धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बेस्ट कपल्स में से एक माने जाते हैं. उनकी शादी ने लोगों का ध्यान खींचा था. क्योंकि धर्मेंद्र पहले से ही प्रकाश कौर से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे, फिर भी उन्होंने हेमा मालिनी से शादी की. एक पुराने इंटरव्यू में, हेमा ने अपने करियर, फैमिली डायनेमिक और शादी के बाद भी अलग-अलग घरों में रहने की उनके सिस्टम के बारे में खुलकर बात की थी.

हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र से अलग रहने का दर्द किया था बयां : हेमा मालिनी से जब धर्मेंद्र से अलग रहने के फैसले के बारे में पूछा गया उन्होंने लेहरें टीवी के को दिए इंटरव्यू में बताया, 'कोई भी ऐसा नहीं चाहता; यह होता है. स्वाभाविक रूप से, जो होता है, उसे स्वीकार करना पड़ता है. अन्यथा, कोई भी ऐसा महसूस नहीं करेगा कि वे इस तरह से अपना जीवन जीना चाहते हैं. नहीं! हर महिला चाहती है कि उसका पति और बच्चे हों, जैसे एक सामान्य परिवार. लेकिन कहीं न कहीं, यह रास्ते से बाहर चला गया.'

'बच्चे पेड़ों पर नहीं उगते, वे बिस्तर पर.. राज कपूर ने 1978 फिल्म को नकारने वालों से कहा, जीनत अमान थीं हीरोइन

राज कपूर को आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे महान फिल्मकारों में से एक के रूप में याद किया जाता है. लेकिन उनकी बाद की फिल्मों में, कई दर्शकों ने यह कहना शुरू कर दिया कि उनकी फिल्मों में महिलाओं को एक खास तरह की मर्दाना नजर से दिखाया जाता था, जो शोषणकारी लगती थी. हालांकि, राज कपूर इस आलोचना से वाकिफ थे और उनका नजरिए इसे लेकर कुछ और ही था.

दरअसल, उनका मानना था कि दूसरों की नजरों में शोषण के तौर पर लिए जाने वाली यह आलोचना, महिलाओं की खूबसूरती को दिखाने का उनका तरीका था. 1970 के दशक के बाद उनकी लगभग सभी फिल्मों ने अपनी कई महिला किरदारों को कामुक तरीके से पेश किया और राज ने अपनी बेटी रितु नंदा द्वारा प्रस्तुत पुस्तक में भी इसी बात को संबोधित किया है. उन फिल्मों में , जिनमें बॉबी, मेरा नाम जोकर, सत्यम शिवम सुंदरम, प्रेम रोग और राम तेरी गंगा मैली शामिल हैं.

सत्यम शिवम सुंदरम में जीनत अमान की ड्रेस ने मचाई थी हलचल

राज कपूरः द वन एंड ओनली शोमैन नामक पुस्तक में,

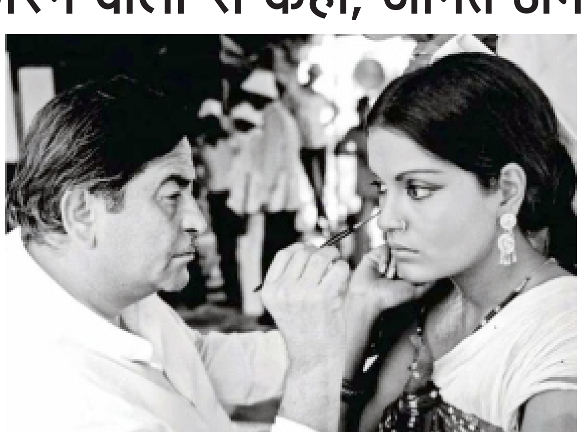

राज ने उस समय के बारे में बात की, जब उन्होंने 1978 की अपनी फिल्म सत्यम शिवम सुंदरम के बारे में सीबीएफसी (केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) से बातचीत की थी. इस फिल्म में जीनत अमान मुख्य भूमिका में थीं और फिल्म में उनके कटस्यूम ने उन दिनों काफी हलचल मचाई थी. राज ने किताब में बताया, 'हम न्यडिटी से चौंक जाते हैं. हमें थ्रो ग्रो करना चाहिए. जिस देश ने 700 मिलियन बच्चे पैदा किए हैं, वहां लोग जरा सी न्यूडिटी से चौंक जाते हैं! हम इतने पाखंडी क्यों हैं? बच्चे पेड़ों पर नहीं उगते. वे बिस्तर पर बनते हैं. और एक सुंदर लड़की दिखाने में क्या अनैतिकता है? सिनेमा को गांवों में ले जाएं, उन्हें मनोरंजन दें. अब उनके पास केवल शराब बनाना, उसे पीना और बच्चे पैदा करना ही मनोरंजन है.'

जब सेंसर बोर्ड से सवाल करने लगे राज कपूर : राज ने फिर भारत में सेंसर बोर्ड को सत्यम शिवम सुंदरम दिखाने के बारे में बात की और बताया, 'जब फिल्म (सत्यम शिवम सुंदरम) पूरी हो गई, तो मैंने सेंसर बोर्ड से पूछा, 'कौन सा ज्यादा हानिकारक है, यह या जिसे आप अनुमति दे रहे हैं? आप पूरे भारत में बैनर और पोस्टर देखते हैं. अहिंसा का प्रचार करने वाले देश में हर कोई बंदूक या तलवार या मारने के लिए कुछ और पकड़े हुए है! क्या आप नहीं समझ सकते कि यही हानिकारक है?' राज ने जोर देकर कहा कि वह महिलाओं का सम्मान करते हैं, और उन्हें समझ में नहीं आता कि उन पर उनका शोषण करने का आरोप क्यों लगाया गया. उन्होंने कहा कि जब फेडेरिको फेलिनी जैसे निर्देशक ने महिलाओं को न्यूडिटी सिएचुशन में दिखाया, तो इसे कला के रूप में देखा गया, लेकिन जब उन्होंने कुछ ऐसा ही करने की कोशिश की, तो इसे शोषण के रूप में देखा गया. उन्होंने लिखा, 'मैं महिलाओं का सम्मान करता हूं और मुझे समझ में नहीं आता कि मुझ पर उनका शोषण करने का आरोप क्यों लगाया जाता है. अगर फेलिनी किसी महिला को नग्न अवस्था में दिखाते हैं, तो इसे कला माना जाता है. अगर मैं किसी महिला की सुंदरता को दिखाता हूं, तो इसे शोषण कहा जाता है.'

1970 के दशक के बाद सिनेमा में आया बदलाव : राज कपूर की फिल्मों में महिलाओं को हमेशा एक ही तरह से नहीं दिखाया जाता था, क्योंकि 1970 के दशक के बाद इसमें एक महत्वपूर्ण बदलाव आया. उन्होंने इसे स्वीकार किया और लिखा, '1950 के दशक की शुरुआत में मेरे काम को जिस चीज ने प्रभावित किया, जरूरी नहीं कि वो 1980 के दशक के काम को भी प्रभावित करे.

सनी देओल की 21 साल पुरानी वो फिल्म, सुपरस्टार ने बिना स्क्रिप्ट पढ़े किया था साइन

सनी देओल का इडंस्ट्री में अपना एक अलग ही मुकाम है. अपने धाकड़ अंदाज से वह हमेशा अपने फैंस का दिल जीत लेते हैं. लेकिन असल जिंदगी में भी सनी देओल उतने ही दिलदार हैं. अपने करियर में कई हिट देने वाले सनी देओल ने महज दोस्ती के खातिर बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही फिल्म तक साइन कर दी थी.

साल 2004 में आई फिल्म 'लकीर फॉरबिडन लाइन्स' को डायरेक्टर अहमद खान लेकर आए थे.फिल्म डायरेक्टर अहमद खान ने अब खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि जाट एक्टर ने फिल्म लकीर को बिना पढ़े साइन कर लिया था.फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर अहमद खान ने इस इंटरव्यू में अपनी दोस्ती के बारे में भी काफी कुछ बताया है.

बिना स्क्रिप्ट सुने ही साइन कर ली फिल्म : अपनी फिल्म 'लकीर- फॉरबिडन लाइन्स' को लेकर खास बात शेयर करते हुए

उन्होंने बताया कि पूरी स्क्रिप्ट सुने बिना सनी देओल फिल्म 'लकीर' में काम करने के लिए तैयार हो गए थे. यह एक्शन-ड्रामा फिल्म 'लकीर- फॉरबिडन लाइन्स' साल 2004 में रिलीज हुई थी. फिल्म के बारे में बात करते हुए अहमद ने कहा, 'सनी और मैं दशकों से दोस्त हैं, और उनका साथ हमेशा मेरे लिए बहुत मायने रखता है. जब मैं अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा था, तो मुझे सनी देओल के ऑफिस से कॉल आया. मैं उस वक्त फुटबॉल खेल रहा था. कॉल मिलने के बाद जब मैं उनसे मिलने गया, तो उन्होंने बिना देर किए तुरंत फिल्म के लिए हामी दे दी.'

मल्टीस्टारर फिल्म को दोस्त के लिए किया था साइन : अपनी बात आगे रखते हुए अहमद ने कहा, 'मुझे पूरी स्क्रिप्ट भी सुनाने की जरूरत नहीं पड़ी. मैंने सिर्फ कहानी की झलक ही पेश की, और सनी को यह आइडिया इतना पसंद आया कि उन्होंने फिल्म करने की हामी भर दी. उन्होंने अपनी टीम से जल्द से जल्द शूटिंग की तारीखें तय करने को कहा. फिल्म में सनी देओल के अलावा, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, सोहेल खान और नौहीद सिरुसी लीड रोल में थे. फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया था, जो भारत के सबसे प्रसिद्ध संगीतकारों में से एक हैं. वहीं बैकग्राउंड म्यूजिक को आदेश श्रीवास्तव ने तैयार किया था.

बता दें कि फिल्म की कहानी दो किरदारों करण और साहिल के इर्द-गिर्द घूमती है. करण जहां पावरफुल आदमी का भाई है, वहीं साहिल का भाई एक है और वह सरल और ईमानदार स्वभाव का लड़का है. कहानी में मोड़ तब आता है, जब दोनों बिंदिया नाम की लड़की पर दिल हार बैठते हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी फिलहाल 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में बिजी हैं.